धनबाद
बुधवार 11.03.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-18 पृष्ठ- 12
चैत्र कृष्ण पक्ष-8
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

सशक्त नारी
झारखण्ड की
आर्थिक प्रगति का आधार...

...नारी शक्ति
के साथ चल रही
हेमन्त सरकार

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना
18 से 50 वर्ष की पात्र महिलाओं को
हर महीने ₹2,500 की आर्थिक सहायता
प्रति वर्ष कुल ₹30,000

सर्वजन पेंशन योजना
अब महिलाओं को वृद्धावस्था पेंशन
के लिए 60 वर्ष का इंतजार नहीं करना होगा
50 वर्ष से ऊपर आयु की सभी वर्ग की महिलाएं पेंशन की हकदार

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना
बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल विवाह
रोकने के लिए ₹40,000 तक की कुल सहायता
कक्षा 8वीं से लेकर 18-19 वर्ष की आयु तक विभिन्न चरणों में प्रोत्साहन राशि

फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान
हड़िया-शराब की बिक्री और निर्माण कार्य में लगी
महिलाओं को सम्मानजनक स्वरोजगार
शुरू करने के लिए **₹50,000 तक का ब्याज मुक्त ऋण**

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

स्वरोजगार से स्वाबलंबन
झारखण्ड की दीदियां अब खुद का
भविष्य लिख रही हैं, 2.80 लाख से अधिक
स्वयं सहायता समूह बैंकों से जुड़े।
₹17,374 करोड़ का सीधा ऋण वितरण, लाखों परिवारों के जीवन में आई समृद्धि

स्वस्थ पीढ़ी के लिए मातृत्व अवकाश
संविदा (अनुबंध/कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर
नियुक्त महिला कर्मचारियों को
180 दिनों का मातृत्व अवकाश (maternity leave) देने का महत्वपूर्ण फैसला

ग्रामीण उत्पाद की पहचान पलाश मार्ट
सखी मंडल की दीदियों द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट उत्पादों को
'पलाश' ब्रांड के तहत पहचान और बाजार

कला को सम्मान आदिवा ब्रांड
झारखण्ड की ग्रामीण कला, मेहनत और
महिला प्रतिभाओं को नई पहचान देने का मजबूत माध्यम
ग्रामीण उद्यमिता, महिला स्वावलंबन और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रयास

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

PR 374675 (IPRD) 25-26

संपादकीय

विकसित भारत के सपने में हकीकत के रंग भरता 'गुजरात'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जिस धरती पर विकसित भारत का जो ख्वाब स्वयं देखा और समस्त देशवासियों को दिखाया, आज उसी धरती जैसा विकास का रंग पूरे भारत की सरजमीं पर नजर आ रहा है। विकसित भारत का एक खूबसूरत उदाहरण है, 'गुजरात'। गुजरात की धरती सिर्फ उद्योग, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, परिवहन, पर्यटन, डेयरी आदि क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास का ही नाम नहीं है, बल्कि इस विकास की गति में इस राज्य ने अपनी विरासत और संस्कारों का दामन कसकर थामे रखा है। यह राज्य इस बात का गवाह है कि जो ख्वाब व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर लोक हित के लिए देखे जाते हैं, वे निश्चित रूप से साकार होते हैं। इसका एक उदाहरण गुजरात के एकता नगर का 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' है। यह सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इस प्रतिमा पर सरदार पटेल जी द्वारा पहनी गई जैकेट के दूसरे और तीसरे बटन के बीच बनी जगह में खड़े होकर जब कोई व्यक्ति बाहर की ओर देखता है, तो पहली नजर में उसे सरदार वल्लभ भाई पटेल जी का सपना साकार होता हुआ दिखाई देता है। यह सपना 'सरदार सरोवर बांध' का था।

उनकी दूरदृष्टि आज केवल 'गुजरात की जीवन-रेखा' ही नहीं, बल्कि इस बांध का कई पड़ोसी राज्यों को भी फायदा हो रहा है। सरदार सरोवर बांध का पानी गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों में लगभग 18 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचाई प्रदान करता है। यह हजारों गांवों और कई शहरी केंद्रों को पीने योग्य पानी की आपूर्ति करता है। इसकी बिजली उत्पादन क्षमता 1,450 मैगावाट है, जो गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश

में समान रूप से सांझी की जाती है। सरदार सरोवर बांध के निकट स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित कई पर्यटन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो इस इलाके को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना रहे हैं। इस क्षेत्र में लगभग 375 एकड़ में फैला सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क, फूलों की घाटी, आरोग्य वन, मियावाकी वन, कैक्टस गार्डन और एकता क्रूज जैसे करीब 27 से अधिक मनोहारी पर्यटन स्थल हैं, जो यहां पर्यटकों को 2-3 दिन ठहरने के लिए विवश कर देते हैं। इन पर्यटन स्थलों में केवल स्थानीय निवासियों को ही रोजगार दिया गया है। यहां ऑटो चालक केवल महिलाएं ही हैं।

अहमदाबाद में भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना अपने आप में विकसित परिवहन प्रणाली की एक झलक प्रस्तुत करती है। लगभग 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना विकसित भारत की उस तस्वीर का प्रतिबिंब है, जहां आने वाले कुछ वर्षों में ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी। निःसंदेह गुजरात का विकास बुलेट ट्रेन की गति से आगे बढ़ रहा है लेकिन साथ ही यह राज्य अपनी 4500 साल पुरानी विरासत को भी संभाल रहा है। अहमदाबाद से सिर्फ 80 किलोमीटर दूर, 'लोथल हड़प्पाकालीन बंदरगाह नगर' के दर्शन होते हैं। यह बंदरगाह एक नदी के तट पर बनाया गया था, जो समुद्र से जुड़ती थी, जिससे व्यापार और परिवहन सुगम हो जाता था। यह स्थान प्राचीन भारतीय इतिहास में व्यापार और अर्थव्यवस्था के विकास का प्रतीक है। इस स्थान से कुछ ही दूरी पर राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर परियोजना द्रुत गति से प्रगति कर रही है। इस परिसर के केंद्र में एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समुद्री संग्रहालय तैयार हो रहा है, जिसमें 14 विषय-आधारित दीर्घाएं बनाई जा रही हैं। इन दीर्घाओं में विभिन्न प्रभावशाली तरीकों से भारत की समुद्री ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा।

मधुमेह के उपचार की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि

स्टेम-सेल थेरेपी से टाइप-2 डायबिटीज को पूरी तरह से रिवर्स करने में चीनी वैज्ञानिकों को मिली कामयाबी को अगर दुनिया से मधुमेह के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक कदम कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. डायबिटीज (मधुमेह) एक ऐसी बीमारी है जिसके बारे में अब तक यही कहा जाता था कि यह एक बार हो जाए, तो मरते दम तक साथ नहीं छोड़ती. इसीलिए चीनी वैज्ञानिकों के नए प्रयोग को रीजेनरेटिव मेडिसिन में नया युग माना जा रहा है. स्टेम सेल थेरेपी के चार चरण होते हैं जिसमें मरीज के परिजनों से पहले स्टेम-सेल लिया जाता है, फिर इन स्टेम-सेल के डीएनए

में विशेष रासायनिक जेनेटिक प्रसंस्करण किया जाता है, इसके बाद स्टेम-सेल जब बीटा सेल में तब्दील हो जाती है तो उन्हें साथ विकसित करके स्वस्थ पैंक्रियाटिक ऊतकों का गुच्छा तैयार किया जाता है और अंत में इंसुलिन बनाने वाले इन गुच्छों को मरीज के पैंक्रियाज में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है. इस थेरेपी का प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है और अगर यह तकनीक बड़े पैमाने पर सफल होती है तो इसमें कोई शक नहीं कि यह दुनिया भर में डायबिटीज के करोड़ों मरीजों के लिए एक स्थायी, व्यक्तिगत और दर्द-मुक्त समाधान साबित होगी. डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसके मरीजों में हार्ट अटैक, स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप का खतरा काफी बढ़ जाता है. यह अंधापन (डायबिटिक रेटिनोपैथी), मोतियाबिंद या ग्लूकोमा जैसी समस्याओं का कारण भी बन सकता है. शुगर का उच्च स्तर किडनी की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, जिससे किडनी फेलियर (डायबिटीज नेफ्रोपैथी) की नौबत तक आ सकती है. अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) के वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में लगभग 589-590 मिलियन (59 करोड़) लोग मधुमेह से पीड़ित हैं. इसका मतलब है कि वैश्विक आबादी के हर नौ में से एक व्यक्ति इससे पीड़ित है. चिंता की बात यह है कि इनमें से आधे (लगभग 252 मिलियन) लोगों को पता ही नहीं है कि उन्हें यह बीमारी है. परिणामस्वरूप बीमारी के शुरुआती दौर में वे इसे रोकने के लिए एहतियाती कदम उठा ही नहीं पाते और जब तक उन्हें इसका पता चलता है, तब तक यह गंभीर रूप धारण कर चुकी होती है. लेकिन डायबिटीज के इलाज का कारगर उपाय मिलने का यह मतलब नहीं है कि हम डायबिटीज होने के कारणों को ही नजरंदाज कर, खान-पान में स्वच्छंदता बरतने लगें. अगर हम अपनी जीवनशैली को अनुशासित करना नहीं सीखेंगे तो एक बीमारी का इलाज भले ही मिल जाए लेकिन दूसरी बीमारी का प्रादुर्भाव होते देर नहीं लगेगी.

आज का कार्टून

दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी...

> देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है। इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है।

नीरज कुमार दुबे

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है।

हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर

चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है।

देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है।

इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।

खेल सिखाते हैं जिंदगी के बड़े सबक...

> खेल ही सिखाते हैं दम से खेलो, जम के खेलो। खेलों से रणनीति ही नहीं, कूटनीति भी सीखना चाहिए। क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, बाक्सिंग आदि खेलों में सिखाया जाता है कि आगे बढ़ कर खेलो। पहले खुद पहल करो, ताकि विपक्ष के खिलाड़ी बचाव करें। क्रिकेट के विशेषज्ञ कहते हैं कि गेंद को बाहर ही मारो, घर में घुसने न दो। कहने का तात्पर्य यह कि बल्लेबाज को 'फ्रंटफुट', यानी आगे बढ़ कर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पीछे जाकर 'बैकफुट' खेलने से कोई फिरकी गेंद विकेट गिरा सकती है। ऐसे ही हाकी या फुटबाल जैसे खेलों में पीछे हट कर खेलने से 'सेल्फ गोल' हो जाया करते हैं। इसलिए खेलों में आक्रामक खेलना उच्च कोटि की कूटनीति मानी जाती है।

विप्रम

खेलों से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं, पर सीखते नहीं। न ही कभी कोशिश करते हैं। शायद इसीलिए हम अपने बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित नहीं करते, बल्कि खेल के समय में कटौती कर उन्हें पढ़ने पर जोर देते हैं। मानो हम खेलों की अनदेखी कर रहे हों। जबकि पढ़ाई का अपना महत्त्व होता है, तो खेलों की अपनी अहमियत है। खेलों से हम अनुशासन ही नहीं, भाईचारा यानी सौहार्द भी सीखते हैं। खेलों की दुनिया में कोई भी किसी खास धार्मिक पहचान में कैद नहीं होता। सब सूरत से और सीरत से भी सिर्फ खिलाड़ी होते हैं। जाति-धर्म, भाषा-रंग और देश-प्रदेश सब भूल कर जब ये खेल के परिधान में आते हैं, तो एक ही रंग में हो जाते हैं। जीत की तरंग में जिस झंडे के तले खेल रहे होते हैं, उसकी शान में पूरी जान लगा देते हैं। समानता का उदाहरण बताने के लिए यह पर्याप्त होगा कि गली-मोहल्ले में क्रिकेट खेली जा रही हो या फुटबाल या कोई अन्य खेल, वहां खिलाड़ियों के लिए पानी से भरी एक बाल्टी होती है और उसमें रखा होता है एक गिलास, एक-एक कर खिलाड़ी अपनी प्यास बुझाता है, बिना किसी भेदभाव के। पानी का एक गिलास या एकता का पाठ पढ़ाया करता है। संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के लिए वहां पानी राहत का काम करता है, तो

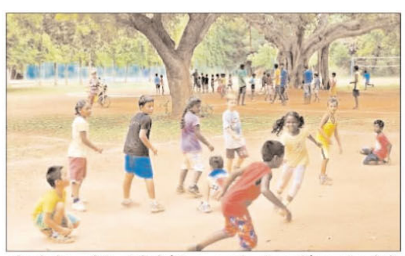

जीत की ओर बढ़ रहे खिलाड़ियों को धैर्य का संदेश देता है। फिर भी न जाने क्यों, हम कुछ नहीं सीखते!

देखा जाए तो खेलों से हिम्मत आती है, साहस का संचार होता है। और तो और, एक जिद पनपती है, जिसे दृढ़ इच्छाशक्ति या एक जुनून कह सकते हैं। बेरुखी में दीवानापन का नाम भी दे दिया जाता है। इसकी वजह भी है कि खेलने पर जब हम आते हैं, तो खेलते ही चले जाते हैं। न रात देखते हैं, न दिन। भूखे-प्यासे खेलने में इतने मस्त कि न धूप की चिंता, न बारिश का भय। बिल्कुल बेपरवाह। बचपन में बच्चे खेलते तो अपनी उम्र के हिसाब से ही हैं, पर हंसी इसलिए आती है इन पर कि इनके खेल निराले होते हैं... बचपने भरे। कभी घर-घर खेलते हैं, तो कभी डाक्टर-डाक्टर या छुप्पम-छुपाई जैसे अनेक खेल। खुल कर खेला करते हैं बच्चे। बीच-बीच में खेलते हुए लड़ते हैं, तो लड़ते हुए खेलते हैं। यानी कभी कुट्टी करते हैं, फिर तुरंत ही रजामंदी की पुच्ची भी कर लेते हैं। यही आगे चल कर जीवन-शैली बना ली जाए, तो कहने क्या?

असल में बचपन की लड़ाई थोड़ी देर के लिए होती है। प्रमुख होता है खेलना... खेलते रहना। एक पार्क में कुछ बच्चे आपस में खेल रहे थे। एक बच्चे ने दूसरे को धक्का दे दिया। धक्के से वह बच्चा गिर गया और रोने लगा। धक्का देने वाला बच्चा उसे देख खुद भी रोने लगा। इसे देखा-देखी के असर में रोना कहना उचित नहीं। असल में धक्का देने वाला वह बच्चा जानता है कि उसे इसकी सजा मिल सकती है। इससे बचने की सोची-समझी तरकीब भी समझी जा सकती है। यह भी संभव है कि गिरने वाले बच्चे को रोते देख उसके भीतर डर पैदा हो गया हो और वह भी रोने लगा। वैसे गिराना-उठाना खेलों का हिस्सा होते हैं। खेल ही सिखाते हैं दम से खेलो, जम के खेलो। खेलों से रणनीति ही नहीं, कूटनीति भी सीखना चाहिए। क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, बाक्सिंग आदि खेलों में सिखाया जाता है कि आगे बढ़ कर खेलो। पहले खुद पहल करो, ताकि विपक्ष के खिलाड़ी बचाव करें। क्रिकेट के विशेषज्ञ कहते हैं कि गेंद को बाहर ही मारो, घर में घुसने न दो। कहने का तात्पर्य यह कि बल्लेबाज को 'फ्रंटफुट', यानी आगे बढ़ कर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पीछे जाकर 'बैकफुट' खेलने से कोई फिरकी गेंद विकेट गिरा सकती है। ऐसे ही हाकी या फुटबाल जैसे खेलों में पीछे हट कर खेलने से 'सेल्फ गोल' हो जाया करते हैं। इसलिए खेलों में आक्रामक खेलना उच्च कोटि की कूटनीति मानी जाती है। जैसे-जैसे बच्चों की उम्र बढ़ती है, बच्चे स्कूल से कालेज जाने लगते हैं, तो वे खेलों से संघर्ष करना ही नहीं, बल्कि सौहार्दपूर्ण मुकाबला करना सहज ही सीख लेते हैं। आमतौर पर खेलने से पहले और खेल के बाद कोई हारे या कोई जीते, पर रेफरी या अंपायर खिलाड़ियों के आपस में हाथ मिलवाते हैं। दर्शकों का इनसे यथा आदर-अभिवादन भी करवाते हैं। यह एक अच्छा और स्वच्छ तरीका होता है मन के खुले भाव प्रदर्शित करने का। खेलते वक्त जीतने की लालसा में खिलाड़ी खेल के नियम-कायदे भुलाकर लड़ते-झगड़ते भी देखे जाते हैं। फिर भी सबसे प्रमुख यह कि रेफरी, जज या अंपायर, जो भी अंतिम निर्णय देते हैं, वह खेल-भावना के तहत सभी को स्वीकार्य होते हैं। चूंकि खेल एक जरूरत है, इसलिए देखकर खेलना या खेलकर देखना चाहिए, पर खेल सदा चलते रहने चाहिए। सही और उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए खेलों की महती भूमिका होती है। मौसम और वातावरण के अनुरूप दुनिया में खेल खेले जाते हैं। हाकी, क्रिकेट, फुटबाल, बैडमिंटन, बालीबाल आदि प्रमुख खेल हैं। हालांकि मुख्य रूप से दो खेलों को प्रचार मिलता है- क्रिकेट या फुटबाल। क्रिकेट कुछ महंगा खेल है। इसमें हर खिलाड़ी को बैट, पैड, जूते, दस्ताने, हेलमेट आदि महंगी चीजों की जरूरत पड़ती है, जबकि फुटबाल आम लोगों के लिए होती है। केवल फुटबाल वाले जूते पहन के खेला जाए या नंगे पांव। बस खेल-भावना बनी रहनी चाहिए।

धनबाद
बुधवार 11.03.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-18 पृष्ठ- 12
चैत्र कृष्ण पक्ष-8
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

असम में बोले हेमंत सोरेन, इस बार भाजपा को पता चल जाएगा कि राजनीति आदिवासियों को भी आती है

रांची (एजेंसी): अप्रैल मई में असम में विधानसभा का चुनाव संभावित है। इसको केंद्र में रखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को असम पहुंचे। वहां उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस क्रम में वह भाजपा का नाम लिए बगैर उस पर खूब बिफरे। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में ऐसा प्रयास होगा कि उन्हें समझ में आ जाएगा कि राजनीति सिर्फ उन्हीं को नहीं आती।

दलितों आदिवासियों को भी आती है। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत चाय से की। उन्होंने कहा कि असम ही नहीं पूरे देश के चाय का व्यापार केवल आदिवासियों की बदौलत चलता है। अगर आदिवासियों ने अपना हाथ खींच लिया तो यह व्यापार ही ठप हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस व्यापार को संचालित करने के बदले आदिवासियों को क्या मिलता है, किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने झारखंड से असम के आदिवासियों को जोड़ा। कहा कि झारखंड में भी हक और अधिकार की लंबी लड़ाई लड़ी गयी। लेकिन जब हक और अधिकार नहीं मिला तो अलग राज्य का बिगुल फूंका गया। इसके लिए संकल्प लिया गया। यह जानते हुए कि इस लड़ाई में अग्रिम पंक्ति के सभी नेता मारे जाएंगे। दूसरी पंक्ति के जेल जाएंगे। तब तीसरी पंक्ति के नेता कार्यकर्ता झारखंड सजाएंगे और संवारेंगे। वही हुआ। उन्होंने आह्वान किया कि इसी तरह का संकल्प असम के आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों को भी लेना होगा। एक छत के नीचे आना होगा।

हेमंत सोरेन ने वहां के लोगों को समझाया। हम आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से अपने राजनीतिक दुश्मन से कमजोर हैं। अब लड़ कर लेंगे झारखंड वाला नारा काम नहीं आएगा। अब बौद्धिक और कानूनी रूप से भी हमें लड़ाई लड़नी पड़ेगी। इसके लिए एकजुट होना होगा। क्योंकि असम में सत्ता में काबिज लोग कुछ देनेवाले नहीं है। क्योंकि ये व्यापारी हैं। व्यापारी हमेशा अपने लाभ का न्यूनतम हिस्सा भी मजबूरी में देता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इन्हें केवल गुजरात, मुंबई और दिल्ली का विकास करना है। इस विकास के लिए केवल मजदूर चाहिए। और ये मजदूर आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यक ही बने रहें। उन्होंने कहा कि झारखंड में सबसे अधिक खनिज संपदा है। लेकिन इसकी हालत क्यों बदतर हो गयी। जहां खनिज नहीं है, वे विकसित राज्य बन गए। क्योंकि झारखंड के विकास को केंद्र में रख कर कभी नीतियां नहीं बनने दी गयी।हेमंत सोरेन ने बार बार दुहराया कि इसका बदला लेने का ▶▶ 8

प. बंगाल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा...

पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा, स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता

कोलकाता (ईएमएस): मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। एसआईआर का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि वोटर लिस्ट शुद्ध हों और पात्र वोटर को सूची में अपना नाम मिल जाए।

राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ कई बैठकों के बाद कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग हमेशा से शांतिपूर्ण और सहभागी लोकतंत्र में विश्वास रखते आए हैं। हमारा लक्ष्य बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग ८० हजार बूथ हैं, जिनमें से लगभग ६१हजार ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। कुमार ने यह भी घोषणा की कि मतदान प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग राज्यभर के बूथ पर १०० प्रतिशत वेबकास्टिंग लागू करेगा।

लोगों ने फिर काले झंडे दिखाए

इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। यह लगातार तीसरे दिन सीईसी को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले कालीघाट मंदिर में दर्शन करने और रविवार रात कोलकाता पहुंचने पर भी एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने काले झंडे दिखाए थे।

नौशेरा में एक आतंकी मारा गया

श्रीनगर (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के झंगर-नौशेरा सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक आतंकवादी को सेना ने मार गिराया। भारतीय सेना ने बताया कि १० मार्च २०२६ को दोपहर करीब ३ बजे लाइन ऑफ कंट्रोल पर झंगर-नौशेरा के इलाके में दो आतंकवादियों की हरकत का पता चला था।

सेना ने बताया कि सैनिकों ने तेजी से काम किया, और घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी है। सेना के मुताबिक जमीन और हवाई निगरानी की मदद ली जा रही है। पिछले ५ दिनों में जम्मू-कश्मीर के राजौरी इलाके में सिक्योरिटी फोर्स ने दूसरी बार घुसपैठ की कोशिश नाकाम की है।

ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद अपना धरना समाप्त किया

नई दिल्ली(ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दोषपूर्ण एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ अपना धरना पांचवें दिन समाप्त कर दिया और कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा मतदाता सूची संशोधन के संबंध में अपीलीय न्यायाधिकरण गठित करने के आदेश के बाद विरोध-प्रदर्शन को अस्थायी रूप से स्थगित किया जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा अपीलीय प्राधिकरण के गठन के कदम का स्वागत करते हुए बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा बंद किया गया दरवाजा अब खुल गया है, जिससे उन लोगों के लिए आशा की एक नई किरण जगी है। जिनके नाम एसआईआर के तहत तार्किक विसंगति के कारण हटा दिए गए थे या विचाराधीन थे।

मुख्यमंत्री ने धरना अस्थायी रूप से समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय का आदेश बंगाल की जनता की जीत है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन परीक्षण के दौरान मतदाता सूची से नाम हटा दिये गये लोगों की अपीलें सुनने के लिए एक स्वतंत्र अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने का मंगलवार को आदेश दिया, जिसकी अध्यक्षता उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश करेंगे। न्यायालय ने उन प्रयासों के खिलाफ भी सख्त चेतावनी दी, जो एसआईआर ▶▶ 8

मुस्लिम महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

यूसीसी लागू करने का सही समय आ गया

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में अब इस विषय पर लंबित से विचार करने का समय आ गया है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शरीयत कानून की धाराओं को रद्द करने जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम फैसला लेना विधायिका का अधिकार क्षेत्र है।

मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की, जिसमें जॉयमाल्या बागची और आर. महादेवन भी शामिल थे। पीठ १९३७ के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, १९३७ की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इन्हें मुस्लिम महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया गया है।

मुस्लिम महिलाओं के लिए कही ये बात

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि न्यायालय शरियत कानून के उत्तराधिकार संबंधी प्रावधानों को रद्द कर देता है, तो इससे एक कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है, क्योंकि मुस्लिम उत्तराधिकार को नियंत्रित करने वाला कोई अन्य स्पष्ट कानून मौजूद नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं की ▶▶ 8

पंजाब में बीजेपी के नेता अमित गोसाईं अकाली दल में शामिल

लुधियाना (ईएमएस): मंगलवार को पंजाब की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हुआ, जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित गोसाईं ने इस्तीफा दे दिया और कुछ समय बाद अपने समर्थकों के साथ शिरोमणि अकाली दल में शामिल हुए। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया और साथ ही लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज भी नियुक्त किया। बता दें कि गोसाईं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सतपाल गोसाईं के पोते हैं। बादल ने अमित गोसाईं का शिरोमणि अकाली दल के परिवार में स्वागत कर कहा कि अमित अपने दादा सतपाल गोसाईं के काम में उनका साथ देते रहे हैं।

पुलिस फायरिंग में दो लोगों की मौत

शिलांग (ईएमएस): मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले में मंगलवार सुबह हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों ने फायरिंग की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना जीएचएडीसी चुनाव नॉमिनेशन प्रोसेस को लेकर तनाव के बीच हुई। वेस्ट गारो हिल्स के पुलिस सुपरिंटेंडेंट अब्राहम टी संगमा ने कहा कि यह घटना चिबिनंग इलाके में हुई, जहां आदिवासी और गैर-आदिवासी ग्रुप के बीच झड़प हो गई। संगमा ने कहा, जिन दो लोगों की मौत हुई, वे चिबिनंग के रहने वाले थे।

तेल संकट के बीच भारत की मदद

पाइपलाइन से बांग्लादेश भेजा 5,000 टन डीजल

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत और बांग्लादेश के बीच हुए पाइपलाइन समझौते के तहत डीजल की आपूर्ति शुरू हो गई है। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में ये द्विपक्षीय समझौता किया गया था। इसके तहत ५,००० टन डीजल की पहली खेप बांग्लादेश पहुंच चुकी है।

बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के चेयरमैन मोहम्मद रेजानुर रहमान ने इस खेप के पहुंचने की पुष्टि की है। उन्होंने न्यूज एजेंसी को बताया कि हमारा भारत के साथ एक समझौता है। उस समझौते के मुताबिक, भारत पाइपलाइन के माध्यम से हर साल बांग्लादेश को १,८०,००० टन डीजल की आपूर्ति करेगा। रेजानुर रहमान ने आगे बताया कि भारत से अभी जो ५,००० टन डीजल पहुंचा है, वो इसी वार्षिक समझौते का एक हिस्सा है।

अगले दो महीनों का लक्ष्य

समझौते की शर्तों के मुताबिक, शुरुआती छह महीनों के भीतर बांग्लादेश को कम से कम ९०,००० टन डीजल का आयात करना होगा। बीपीसी चेयरमैन ने भविष्य की योजना साझा करते हुए कहा कि आज पहुंचने वाली खेप ५,००० टन की है। हमें उम्मीद है कि अगले दो महीनों के भीतर, हम पूरे छह महीनों के लिए निर्धारित कुल डीजल की मात्रा को देश में ले आएंगे।

बांग्लादेश के लिए किफायती ये सप्लाई

भारत से पाइपलाइन के जरिए होने वाली ये डीजल सप्लाई बांग्लादेश के लिए काफी किफायती और समय बचाने वाली साबित होगी। ▶▶ 8

राजनाथ ने बताया कैसा होगा विकसित भारत का सैन्य बल, जारी हुआ रोडमैप

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली के साउथ ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम में 'रक्षा बल विजन २०४७: भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना का रोडमैप' जारी किया। यह दस्तावेज भारत को २०४७ तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के अनुरूप सशस्त्र बलों को आधुनिक, एकीकृत और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की योजना प्रस्तुत करता है। इसका व्यापक खाका मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य बदलते भू-रणनीतिक और

तकनीकी माहौल में भारतीय रक्षा बलों को अधिक सक्षम बनाना है। विजन दस्तावेज में रक्षा बलों के भीतर रणनीतिक सुधार, क्षमता वृद्धि और संगठनात्मक बदलाव की रूपरेखा दी गई है। इसका लक्ष्य एक ऐसी सेना तैयार करना है जो तेजी से बदलती वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियों में दुश्मनों को प्रभावी ढंग से रोक सके, किसी भी संघर्ष की स्थिति में बहुआयामी प्रतिक्रिया दे सके और भारत के विस्तारित रणनीतिक हितों की रक्षा कर सके। इस योजना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ तीनों सेनाओं- थल सेना, नौसेना और वायु सेना-के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त संचालन को बढ़ावा देना है। इससे योजना निर्माण, संचालन और क्षमता विकास में अधिक प्रभावशीलता आएगी। दस्तावेज़ में भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखते हुए नवाचार, उन्नत तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर क्षमता और आधुनिक प्रशिक्षण ढांचे पर विशेष जोर दिया गया है। इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी प्रमुख प्राथमिकता दी गई है। स्वदेशी तकनीकों और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देकर घरेलू रक्षा विनिर्माण को मजबूत करने की योजना है, जिससे न केवल सैन्य क्षमता बढ़ेगी बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

सीबीएसई 12वीं के पेपर पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करते स्टूडेंट्स हुए रिकरोल के शिकार

इंटरनेट पर हड़कंप, परीक्षा अब एक अनोखे विवाद और मीम की वजह से चर्चा में

नई दिल्ली (ईएमएस): सीबीएसई की कक्षा १२वीं की गणित की परीक्षा अब एक अनोखे विवाद और इंटरनेट मीम की वजह से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि सोमवार को बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र पर छपे एक क्यूआर कोड को स्कैन करने पर छात्र सीधे इंटरनेट के सबसे मशहूर प्रैंक रिकरोल का शिकार हो गए। परीक्षा के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर छात्रों ने स्क्रीनशॉट साझा करते हुए दावा किया कि जब उन्होंने प्रश्न पत्र पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन किया, तो उन्हें कोई शैक्षणिक सामग्री मिलने के बजाय रिक एस्टली का मशहूर गाना दिखाई देने लगा। इंटरनेट की भाषा में इसे रिकरोलिंग कहा जाता है, जहां किसी को झांसा देकर इस म्यूजिक वीडियो पर भेजा जाता है।

मीडिया रिपोर्ट में स्टूडेंट्स द्वारा शेयर किए गए पोस्ट के मुताबिक पेपर पर क्यूआर कोड स्कैन करने पर रिक एस्टली का नेवर गोना गिव यू अप म्यूज़िक वीडियो खुल गया, जिससे इसे आजमाने वाले लोग असल में रिकरोल हो गए। यह दावा रेडिट जैसे फोरम पर तेजी से पॉपुलर हुआ, जहां स्टूडेंट्स ने स्क्रीनशॉट और रिएक्शन पोस्ट किए। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि लिंक ▶▶ 8

पीएम मोदी की पुरी और जयशंकर के साथ हाईलेवल बैठक, क्या खत्म होने वाला देश में एलपीजी संकट

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध के बीच देश में एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत चल रही है। इस दिक्कत को देखकर मोदी सरकार ने इसके प्रबंधन को लेकर एस्मा लागू किया है। इससे केंद्र सरकार ने यह तय करने की कोशिश की है कि घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त एलपीजी सिलेंडर मिलते रहे। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने भी मंगलवार को इस मामले पर हाईलेवल मीटिंग की है। बैठक में पीएम मोदी के साथ ही पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी मौजूद थे।

जंग के बीच ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सप्लाई को बाधित किया है। इससे भारत सहित कई एशियाई देशों में गैस

और तेल की किल्लत हो गई है। भारतीय रिफाइनरीज को केंद्र की मोदी सरकार ने आदेश दिया है कि वे एलपीजी का उत्पादन बढ़ा दें। इसके अलावा कॉमर्शियल सिलेंडरों की बजाय घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई में इजाफा किया जाए। भारत सरकार ने बताया है कि किन सेक्टरों को १०० फीसदी सप्लाई जारी रहेगी और उसमें किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी।

फिलहाल केंद्र का फोकस इस बात पर है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की सप्लाई कम ना हो। इसकी एवज में औद्योगिक यूनिट्स को सप्लाई कम की गई है। इसके अलावा कॉमर्शियल सिलेंडर भी कम दिए जा रहे हैं। होटल इंडस्ट्री ने इस पर आपत्ति भी जाहिर की है कि क्योंकि उनका काम कॉमर्शियल सिलेंडरों से ही होता है। ऐसी स्थिति में होटल इंडस्ट्री के कामकाज के ही ठप हो सकता है। अगले कुछ दिन देश में एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई के लिहाज से अहम हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ही भारत को आने वाले ज्यादातर तेल और गैस सप्लाई होता है।

ऐसी स्थिति में संकट गहरा गया है। भारत अपनी जरूरत का कुल ६२ फीसदी एलपीजी आयात करता है। यही नहीं तेल के मामले में यह निर्भरता ८५ फीसदी के करीब है। ▶▶ 8

एसएसपी की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक संपन्न

धनबाद (कासं) : समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में फरवरी माह से संबंधित मासिक अपराध समीक्षा बैठक वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, प्रशिक्षु आईपीएस अंकित सिन्हा समेत जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ, अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान जिले में अपराध की वर्तमान स्थिति, कानून व्यवस्था, दर्ज कांडों के निष्पादन, लंबित मामलों की प्रगति तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा विस्तार से की गई। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के साथ-साथ लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि फरवरी माह में जिले भर में कुल ३६१ कांड दर्ज किए गए, जबकि इसी अवधि में ४०२ लंबित कांडों का सफल निष्पादन किया गया। इस प्रकार दर्ज मामलों से अधिक कांडों का निष्पादन कर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी से कार्रवाई के परिणामस्वरूप जिले में लंबित मामलों की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी आई है। पहली बार लंबित कांडों की संख्या घटकर ६९९ रह गई है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या करीब ४३०० थी। पुलिस अधिकारियों ने इसे अपराध अनुसंधान और निष्पादन की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। बैठक में आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि पूर्व से लंबित ८५ मामलों का स्पीडी ट्रायल कराया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप फरवरी माह में आर्म्स एक्ट के पांच मामलों में आरोपियों को न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई है। शेष मामलों की सुनवाई भी तेजी से जारी है।

एसएसपी ने लंबित वारंट के निष्पादन को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को मार्च माह के दौरान कम से कम ५० प्रतिशत लंबित वारंटों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस ऐसे अपराधियों की लगातार तलाश कर रही है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी प्रभात कुमार ने अपराध से जुड़े लोगों से समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जो लोग अपराध की काली दुनिया को छोड़कर कानून की शरण में आना चाहते हैं, उनके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा और उन्हें कानून के दायरे में उचित सहयोग दिया जाएगा।

बैठक में जमीन दलालों और भूमाफियाओं के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सभी थाना प्रभारियों को ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज करने को कहा गया है।

आगामी ईद और रामनवमी पर्व को देखते हुए जिले में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रिवेंटिव एक्शन लेने तथा कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और मॉल में सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत करने तथा गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। पश्चिम बंगाल वेस्ट जोन के एडीजी के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर दोनों राज्यों के बीच अपराधियों की सूची का आदानप्रदान किया गया है। इसके आधार पर संदिग्ध अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और जल्द ही सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष चेक पोस्ट भी स्थापित किए जाएंगे।

बैठक में जिले की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। एसएसपी ने ट्रैफिक पुलिस को फैंसी नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही दोपहिया वाहनों पर चालक के साथ पीछे बैठे व्यक्ति के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा। इसके अलावा जिले में वाहन चोरी की घटनाओं में कमी आने की भी जानकारी दी गई। पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह से जुड़े कुछ लोगों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

प्रिंस खान गिरोह का गुर्गा दिलीप सिंह को रिमांड पर लेगी पुलिस

धनबाद (कासं) : विगत रविवार को धनबाद के फायरिंग रेंज में पुलिस मुठभेड़ के दौरान भागने में सफल रहा प्रिंस खान का गुर्गा दिलीप सिंह को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। घटना के अगले ही दिन दिलीप सिंह की गिरफ्तारी बरवाअड्डा थाना क्षेत्र से की गई थी। एसएसपी प्रभात कुमार ने स्पष्ट कर दिया है कि आर्गेनाइज क्राइम में संलिप्त कोई भी अपराधी पुलिस से नहीं बच पाएगी, सब की कुंडली पुलिस ने तैयार कर रखी है।प्रिंस खान गिरोह के गिरफ्तार अपराधकर्मी दिलीप सिंह को धनबाद पुलिस रिमांड पर लेगी। विगत रविवार को पुलिस मुठभेड़ के दौरान अपराधकर्मी दिलीप सिंह भागने में सफल रहा था। अगले ही दिन उसे बरवाअड्डा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया था जिसे जेल भी भेज दिया गया है। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि पुलिस अब दिलीप सिंह को पूछताछ के लिए रिमांड पर भी लेगी। बता दें कि पुलिस मुठभेड़ में सुदीश ओझा नामक अपराधी पुलिस की गोली का शिकार हुआ था। उसके पैर में दो गोली लगी थी। फिलहाल सुदीश पुलिस निगरानी में इलाजरत है।

उपायुक्त ने सुनी आम नागरिकों की शिकायतें

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के पाथरडीह, धैया, बाघमारा, तोपचांची, टुंडी, कतरास, सिंदरी, बरवाअड्डा, भूली, धनसार, कलियासोल, जोड़ापोखर, धनबाद सहित अन्य क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनीं। जनता दरबार में अवैध कैंजा हटाने, जमीन हड़पने के उद्देश्य से जबरन बुनियाद काटने, मारपीट एवं रंगदारी मांगने के संबंध में, नगदी समेत सोना-चांदी चोरी होने, दुकान और मकान में जबरन ताला लगाने, बार बार ओबीसी प्रमाण पत्र अस्वीकृत कर देने, अवैध निर्माण करने, नाली निर्माण तथा जलमीनार चालू कराने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया तथा आवेदकों को शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

एसएसपी ने लगाया जनता दरबार, सुनीं आम लोगों की समस्याएं

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित किया। इस दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे कई फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें सीधे एसएसपी के समक्ष रखीं। जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने जमीन विवाद, मारपीट, ठगी, पारिवारिक विवाद, धमकी और अन्य आपराधिक मामलों से जुड़ी शिकायतें लेकर अपनी बात रखी। एसएसपी प्रभात कुमार ने सभी फरियादियों से बारीबारी से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और प्रत्येक मामले की विस्तृत जानकारी ली।

मामलों की जानकारी प्राप्त होने के बाद एसएसपी ने संबंधित थाना प्रभारी और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी शिकायत को लंबित नहीं रखा जाए और समयबद्ध तरीके से उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

एसएसपी ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जनता दरबार का उद्देश्य यही है कि लोगों को अपनी शिकायत सीधे पुलिस के उच्च अधिकारियों तक रखने का अवसर मिले और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।

बता दे कि एसएसपी कार्यालय में प्रतिदिन जनता दरबार का आयोजन किया जाता है जहां लोग अपनी फरियाद लेकर आते हैं। जनता दरबार में कई मामलों में एसएसपी ने मौके पर ही संबंधित पुलिस अधिकारियों को फोन कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की जांच गंभीरता से कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रयास करें। जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे एसएसपी तक पहुंचाने का अवसर मिलने पर संतोष व्यक्त किया। कई फरियादियों ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि एसएसपी के हस्तक्षेप से उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय के कई पुलिस पदाधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे, जो फरियादियों की शिकायतों को दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित थाना को भेज रहे थे। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा की जाए और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

पुरानी रंजिश को ले युवक को मारकर किया जख्मी

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना अंतर्गत डिगवाडीह मस्जिद के पास शाम को पुरानी रंजिश को लेकर दो युवकों ने शंकर कुमार शर्मा नामक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। घायल शर्मा का इलाज चासनाला अस्पताल में किया जा रहा है। शंकर ने घटना की लिखित शिकायत जोड़ापोखर थाना में करते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग किया है। शंकर ने शिकायत में कहा है कि शाम को वह अपने पिता के कहने पर अपने दो अन्य साथियों के साथ ग्रेंडर मशीन पहुँचाने जा रहे थे। इस दौरान डिगवाडीह मांझी बस्ती मस्जिद के निकट रिशु पासवान, शेखर कुमार नामक युवकों ने उसे रोक कर पुरानी बातों का हवाला देते हुए गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इसी दरम्यान उन्होंने उसके हाथ में रखा ग्रेंडर छीनकर उसी से उसके माथे पर वार कर लहू लुहान कर दिया। उन्होंने बताया कि सात मार्च को डिगवाडीह स्कूल की एक छात्रा से छेड़छाड़ करने का मामला थाना पहुँचा था। जिसको लेकर रिशु का उससे विवाद था जिसके प्रतिशोध में आज उसके साथ रिशु ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। जोड़ापोखर पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

नौटंकी में झमेला नाटक का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : नौटंकी में झमेला नाटक का उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर किया गया। मौके पर श्रीदुलार चंद्र यादव, भीम महतो, बशिष्ठ प्रसाद सिन्हा सहित कला निकेतन के कलाकारों द्वारा कला निकेतन रंगशाला में किया गया। यह भोजपुरी भाषा का नाटक है जिसके लेखक बशिष्ठ प्रसाद सिन्हा हैं। प्रमुख कलाकारों में नूतन सिन्हा, नित्या सहाय, धर्मवीर कुमार, क्रान कुमार, निशांत कुमार, प्रेम कुमार, आकाश सहाय, प्रथम कुमार आदि उपस्थित थे।

महापौर व वार्ड पार्षद 18 को करेंगे शपथ ग्रहण

धनबाद (कासं) : नगरपालिका (आम) निर्वाचन, २०२६ में धनबाद नगर निगम के महापौर एवं वार्ड पार्षद तथा चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष व वार्ड पार्षद आगामी १८ मार्च २०२६ को शपथ ग्रहण करेंगे।

इसकी जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर एवं वार्ड पार्षदों के साथ १८ को १० बजे पूर्वाह्न में समाहरणालय के प्रथम तल पर स्थित सभाकक्ष तथा चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष व वार्ड पार्षद के लिए समाहरणालय के तृतीय तल पर स्थित कमरा नंबर ३१४ में बैठक आयोजित की जाएगी। तत्पश्चात उन्हें शपथ दिलाई जाएगी।

धनबाद नगर निगम के उप महापौर व चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए ११:३० बजे से दोपहर १२:३० बजे तक नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया जाएगा। दोपहर १२:३० बजे से १ बजे तक नाम निर्देशन पत्रों की स्क्रुटनी की जाएगी। वहीं दोपहर १ बजे से १:३० तक विधि मान्य अभ्यर्थियों की सूची तैयार की जाएगी। दोपहर १:३० बजे से १:४५ बजे तक नाम वापस लेने का समय निर्धारित है। तत्पश्चात १:४५ बजे से २:१५ बजे तक मत पत्र की तैयारी की जाएगी।

वहीं दोपहर २:१५ बजे से ३ बजे तक धनबाद नगर निगम के उप महापौर व चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए मतदान किया जाएगा।

दोपहर ३ बजे से ३:१५ बजे तक मतगणना की जाएगी। वहीं ३:१५ बजे से ३:३० बजे तक निर्वाचन परिणाम की घोषणा एवं निर्वाचन प्रमाण पत्र ४२ में तामिला के लिए समय निर्धारित है। तत्पश्चात दोपहर ३:३० बजे से ४ बजे तक धनबाद नगर निगम के उप महापौर एवं चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष को शपथ ग्रहण कराई जाएगी।

सभी चापाकलों का मरम्मत किया जायेगा : बीडीओ

बलियापुर (ससे) : आने वाले गर्मी को देखते हुए बलियापुर प्रखंड में जितने भी खराब पड़े चापाकल व सोलर पानी टंकी का काम पूरा कर लिया जायजा। बीडीओ प्रभाष चंद्र दास ने कहा कि इसके लिए बलियापुर प्रखंड कार्यालय में पंचायत प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कर्मियों, जल सहियाओं की बैठक हुई है। सभी को निर्देश दिया गया है कि इसकी सूची जल्द से जल्द कार्यालय में जमा करें। बीडीओ ने कहा कि जल समस्याओं के समाधान के लिए टीम भी गठित की गयी है। टीम चौबीस घंटे सक्रिय रहेगी। मरम्मती का कार्य टाईड फंड से किया जायेगा।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

धनबाद (कासं) : धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरलीनगर इलाके से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां १९ वर्षीय युवक अमित कुमार खेत्रोपाल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है और परिजनों का रोसेकर बुरा हाल है।परिजन के अनुसार अमित पिछले कुछ वर्षों से मानसिक तनाव से जूझ रहा था और उसका इलाज रांची में चल रहा था। परिजनों के अनुसार वह करीब पांच वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसका नियमित इलाज कराया जा रहा था। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में कोई नहीं था और वह कमरे में अकेला था। इसी दौरान उसने गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो मकान मालिक को शक हुआ। उन्होंने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद खिड़की से झांककर देखा गया तो युवक फंदे से लटका हुआ दिखाई दिया। तुरंत इसकी सूचना परिजनों और सरायढेला थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़कर युवक को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया। परिजनों ने बताया कि खेत्रोपाल परिवार पिछले १८१९ वर्षों से धनबाद में रह रहा है। युवक के अचानक इस कदम से परिवार के लोग सदमे में हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

नगर परिषद अध्यक्ष ने मेयर संजीव सिंह को दी बधाई

धनबाद (कासं) : बिहार के कुरथा, अरवल जिला, नगर परिषद अध्यक्ष नागेंद्र सिंह धनबाद सिंह मेंशन पहुंच कर नवनिर्वाचित महापौर संजीव सिंह से मिलकर बधाई देते हुए नगर निगम धनबाद में सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

धनबाद के समाजसेवी एसएन सिंह ने भी महापौर संजीव सिंह को उत्कृष्ट मेयर के रूप में सफल कार्यकाल का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर मजदूर नेता केडी पांडे भी उपस्थित थे।

बीसीसीएल में अधिकार, समानता, सशक्तिकरण विषयक कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद (कासं) : कम्युनिटी हॉल कोयला नगर में आयोजित कार्यक्रम में बीसीसीएल शीर्ष प्रबंधन, दीक्षा महिला मंडल सहित कंपनी में कार्यरत महिला कर्मियों ने बड़ी संख्या में की अपनी सहभागिता।

वीमेन इन पब्लिक सेक्टर (वीप्स) बीसीसीएल के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित गतिविधियों की श्रृंखला के अंतर्गत आज कोयला नगर स्थित सामुदायिक भवन में 'अधिकार, समानता, सशक्तिकरणसभी महिलाओं एवं लड़कियों के लिए' विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीक्षा महिला मंडल, बीसीसीएल की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना अग्रवाल ने की। इस अवसर पर आईआईटी-आईएसएम के ह्यूमैनिटीज एवं सोशल साइंसेज विभाग की प्रोफेसर रजनी सिंह बतौर अतिथि वक्ता उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकीसंचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक-तकनीकी (परियोजना एवं योजना) निलाद्री रॉय, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार सहित दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया, रंजना सिंह, संचिता रॉय, नीता कुमार सहित क्षेत्रीय महिला समितियों की सम्मानित सदस्याएं, कोयला भवन मुख्यालय की सभी महिला विभागाध्यक्ष, अधिकारीकर्मचारी तथा कंपनी के सभी क्षेत्रों की महिला कर्मियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत तथा कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत के साथ हुई। इसके पश्चात अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया गया तथा सामूहिक दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम, सीएचडी की महिला कर्मियों द्वारा स्वागत गान 'हम नारी हैं हिम्मत की' प्रस्तुत किया गया, जिसके उपरांत सीएमएस डॉ. पूनम दुबे ने स्वागत संबोधन देते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का अभिनंदन किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अर्चना अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने दीक्षा महिला मंडल द्वारा महिलाओं के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का लक्ष्य तभी पूर्ण रूप से प्राप्त किया जा सकता है, जब समाज में महिलाओं को समान अवसर, शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

अपने संबोधन में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि आज महिलाएं समाज के प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही हैं, जो किसी भी प्रगतिशील समाज और राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान माने जाने वाले माइनिंग सेक्टर में भी आज महिलाएं बढ़-चढ़कर अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। यह महिला सशक्तिकरण, महिला अधिकार और समानता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल के लगभग सभी विभागों में महिला अधिकारी और कर्मी कार्यरत हैं, जो संस्था के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उपस्थित सभी महिला कर्मियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो. रजनी सिंह ने कहा कि आज महिलाएं एक कुशल होममेकर की भूमिका के साथसाथ समाज के हर क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित देशों की तरह भारत में भी अब माइनिंग सेक्टर सहित कई तकनीकी क्षेत्रों में महिलाएं अपनी दक्षता और नेतृत्व क्षमता का सफल प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, आत्मविश्वास और अवसरों की समान उपलब्धता महिलाओं को आगे बढ़ने की शक्ति देती है। साथ ही उन्होंने युवतियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मियों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इनमें राजस्थानी लोकनृत्य, रेट्रो बॉलीवुड पैरोडी गीत तथा सीएचडी नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत 'डांस ड्रामा' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अतिरिक्त लकी ड्रॉ के माध्यम से 'बेस्ट वेल ड्रेस्ड' महिलाकर्मी का चयन तथा क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित महिला कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अवसर पर सीएमडी बीसीसीएल सहित सभी गणमान्य अतिथियों को प्रतीक चिन्ह एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

समापन सत्र में महिला दिवस के अवसर पर मुख्यालय तथा विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को दीक्षा महिला मंडल की पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में महिला दिवस के अवसर पर कोयला भवन मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में महिला कर्मियों के लिए रंगोली, मेहंदी, क्विज, सिंगिंग, स्लोगन राइटिंग सहित कई अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिनके विजेताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष (कर्मचारी स्थापना) मधुस्मिता लकड़ा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मंच संचालन वरीय प्रबंधक (अधिकारी स्थापना) गार्गी मुखोपाध्याय तथा वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) योगिता सकलानी ने संयुक्त रूप से किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

स्थापना दिवस पर सीआईएसएफ यूनिट ने किया परेड का आयोजन

धनबाद (कासं) : सीआईएसएफ के ५७वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज नेहरू कॉम्प्लेक्स, कोयला नगर ग्राउंड में सीआईएसएफ बीसीसीएल यूनिट द्वारा एक भव्य परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में परेड का निरीक्षण किया तथा सीआईएसएफ के जवानों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक परेड की सलामी ली।

कार्यक्रम में निदेशक (तकनीकीसंचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) निलाद्री रॉय, डीआईजी सीआईएसएफ जितेन्द्र तिवारी, सीआईएसएफ बीसीसीएल यूनिट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कोयला भवन मुख्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं अधिकारी तथा बड़ी संख्या में सीआईएसएफ के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। परेड के दौरान जवानों ने अनुशासन, समर्पण और पेशेवर दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसकी सभी ने सराहना की।

अपने संबोधन में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने सीआईएसएफ के ५७वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीसीसीएल के महत्वपूर्ण

प्रतिष्ठानों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि धनबाद क्षेत्र की खदानों, कोल हैंडलिंग प्लांट, रेलवे साइडिंग तथा अन्य संवेदनशील स्थलों पर सीआईएसएफ के जवान चौबीसों घंटे सतर्कता के साथ सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, जिससे कोयला चोरी, अवैध खनन तथा अनाधिकृत प्रवेश जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि नियमित गश्त और आधुनिक निगरानी व्यवस्था के माध्यम से सीआईएसएफ ने कोयले के सुरक्षित उत्पादन एवं परिवहन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बीसीसीएल द्वारा एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र सहित ड्रोन, डैश कैम और बॉडी कैम जैसे आधुनिक तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिनका उपयोग सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल ने सदैव सीआईएसएफ को उनके दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के लिए आवश्यक सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए हैं। बीसीसीएल और सीआईएसएफ के बीच मजबूत समन्वय से न केवल कार्यस्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिली है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि आने वाले समय में सीआईएसएफ की भूमिका और दायित्व और अधिक महत्वपूर्ण और व्यापक होंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के एमएमडीआर अधिनियम, १९५७ के अंतर्गत सीआईएसएफ को सशक्त किए जाने से अवैध खनन, कोयला चोरी तथा पिल्फरेज जैसी गतिविधियों के विरुद्ध और अधिक प्रभावी कार्रवाई संभव होगी, जिससे बीसीसीएल की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी और अधिक बल मिलेगा।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों के दौरान सीआईएसएफ द्वारा लगभग ३९ हजार टन अवैध रूप से निकाले गए कोयले की बरामदगी की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग २७ करोड़ ०२ लाख है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि सीआईएसएफ तीव्र गति से प्रगति के पथ पर अग्रसर है और इसका निरंतर विस्तार हो रहा है। वर्तमान में सीआईएसएफ देश के महत्वपूर्ण हवाई अड्डों, मेट्रो सेवाओं, इसरो, नोट प्रिंटिंग प्रेस, संसद भवन, जम्मूकश्मीर के केंद्रीय कारागारों तथा अन्य संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा रहा है। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न बंदरगाहों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सीआईएसएफ को सौंपी गई है, जो इस बल की विश्वसनीयता और पेशेवर दक्षता को दर्शाता है।

अंत में उन्होंने बीसीसीएल की ओर से सीआईएसएफ के सभी अधिकारियों, जवानों तथा उनके परिवारजनों को ५७वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सीआईएसएफ भविष्य में भी इसी समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्ट दक्षता के साथ देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। समारोह के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों ने सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों के अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान

कतरास (ससे) : नेशनल अंगार पथरा पथल कोठी स्थित नवनिर्मित शिव मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा धार्मिक अनुष्ठान का भव्य समापन हो गया। अनुष्ठान के अंतिम दिन पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास का वातावरण बना रहा। इस पावन अवसर पर आयोजित 'महाभोग' में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

श्रद्धालुओं के बीच पहुँची वार्ड संख्या ५ की नवनिर्वाचित पार्षद निरुपमा देवी ने इस धार्मिक कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने न केवल भगवान शिव की पूजाअर्चना की, बल्कि स्वयं श्रद्धालुओं के बीच उपस्थित रहकर प्रसाद ग्रहण की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

प्राण प्रतिष्ठा के समापन पर आयोजित भंडारे (महाभोग) में अंगारपथरा और आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर 'हरहर महादेव' के जयघोष से गूँजता रहा।

अनुष्ठान को सफल बनाने में आचार्य योगेंद्र पांडेय और मुख्य यजमान राजाराम यादव की भूमिका अहम रही। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। विजय कुमार झा (पूर्व अध्यक्ष, बियाड़ा), दिलीप पांडे, महेंद्र पांडे, रंजीत पाण्डे, अमित पांडे, प्रमोद पाण्डेय, सोनी पासवान (पोषण सखी), सुमन मिश्रा (प्रिंसिपल), कमला यादव, महेंद्र यादव, जीतेश प्रकाश, संतोष सिंह, सत्येंद्र यादव, देवनंदन लाल, चंद्रदीप यादव, माधो सिंह, अनिल कुमार जैन, शिवकुमार गुप्ता, मनोज बाउरी और अजय यादव सहित अन्य ग्रामीण व श्रद्धालु मौजूद रहे।

भगवान की कथा हमें जीवन में संयम सिखाती है : सुरेंद्र हरिदास जी

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर के कुम्हारडीह रोड में हो रही

श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन मंगलवार को कथा व्यास सुरेन्द्र हरिदास जी महाराज ने धर्म, मर्यादा एवं नैतिकता को विस्तार से रखा।

उन्होंने कहा कि भगवान की कथा हमें जीवन में संयम सिखाती है, क्योंकि जीवन में सफलता और शांति दोनों के लिए आत्मनियंत्रण आवश्यक है। कथा भक्ति का भाव जगाती है, जिससे मन में नम्रता और करुणा का उदय होता है। जब हम कथा सुनते हैं, तो हमारे भीतर सकारात्मक विचारों का संचार होता है, नकारात्मकता दूर होती है और मन स्थिर होने लगता है। श्री हरिदास ने कहा कि अरावली ही नहीं, बल्कि भारत की सभी पर्वत श्रृंखलाओं को संरक्षित किया जाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ करना केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से समझौता करना है। पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं होते; वे वर्षा के स्रोत हैं, नदियों के जनक हैं, वनस्पतियों और जीवों के आश्रय स्थल हैं।

प्रकृति को भगवान का स्वरूप माना गया है। संसार में मनुष्य धन, पद और प्रतिष्ठा के पीछे भागता रहता है, परंतु वास्तविक धन वह है, जो मृत्यु के बाद भी जीवित रहता है और वह है यश और कीर्ति। भारत मां के वीर सपूत महाराणा प्रताप जैसा पौरुष होना चाहिए, जो विपरीत परिस्थितियों में भी कभी झुके नहीं, जिन्होंने कठिनाइयों में भी अपने धर्म और मातृभूमि की रक्षा को सर्वोपरि माना। भक्ति यदि करनी है तो वह ऐसी होनी चाहिए जैसी मीराबाई की थी। कथा की सफलता के लिए विमल चन्द्र दे, पट्टा दे, संजय अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, प्रदीप बंसल, कांता बंसल, सचिन दे, निवारण दास, सुमित अग्रवाल, अजय कुमार दास समेत समस्त नगरवासी सक्रिय रहें।

ज्ञानविज्ञान समिति ने किया स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन

केंदुआ (ससे) : मध्य विद्यालय खरिकाबाद में ज्ञान विज्ञान समिति के द्वारा अविभावकों के सहयोग से शिक्षकों व पुनः नव निर्वाचित पार्षद की स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों और वार्ड १४ के पार्षद मो. निसार आलम व मध्य विद्यालय खरिकाबाद व प्राथमिक विद्यालय कुसुंडा के सभी शिक्षकों को बुके देकर सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम का संचालन ज्ञान विज्ञान समिति धनबाद के सचिव भोला नाथ राम के द्वारा किया गया। वहीं बैठक मे बच्चों के अभिभावकों के साथ संवाद किया गया। शिक्षकों ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि आप अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजें उनके रहनसहन खान पान वेशभूषा पर भी ध्यान रखें। समयसमय पर शिक्षक और अविभावकों के बीच होने वाले मीटिंग मे भी उपस्थित हो ताकी हम लोग क़ो भी बच्चों से संबंधित आने वाली समस्याओं से अवगत होकर उनकी समस्या को दूर करें।

स्कूल नहीं आने वाले बच्चों के लिए भी हम लोग स्कूल चलो अभियान के तहत स्कूल में लाने का प्रयास करेंगे। वहीं वार्ड पार्षद निसार आल्म ने कहा कि स्कूल में पानी स्वच्छता इत्यादि से जो भी समस्या आएगी उसको दूर करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य ज्ञान विज्ञान समिति व अविभावकों के द्वारा विद्यालय में शिक्षकों को लाने का बहुत प्रयास किया गया। वर्तमान में कुल मध्य विद्यालय खरिकाबाद मे ५ शिक्षक है और प्राथमिक विद्यालय कुसुंडा में वर्तमान में दो शिक्षक हैं।

आज के इस कार्यक्रम में शिक्षकों में प्रभारी शिक्षक संगीता कुमारी, रमेश प्रसाद सिंह, राजेश कुमार महतो, अरेंदु कुमार सिंह, विनोद हेंब्रम व राजेंद्र प्रसाद महतो तथा सेवका जयंती देवी, पोषण सखी में शोभा देवी, रविन्द्र कुमार राम, शिवा चौहान, विद्यालय प्रबंधन समिति के रूबी देवी, रिंकू प्रमाणिक, कविता देवी, जासु देवी व रानी देवी आदि लोग मौजूद थे।

यक्ष्मा नियंत्रण समिति ने की 86 लोगों की जांच

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिला यक्ष्मा नियंत्रण समिति ने कनकनी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में शिविर लगाकर ८६ लोगों की एक्सरे जांच की। वरीय यक्ष्मा पर्यवेक्षक सह चेयरमैन, भारतीय रेडक्रॉस समिति, धनबाद कौशलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि २ दिन में सभी की जांच रिपोर्ट आ जाएगी। इसके बाद उनका बलगम टेस्ट किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति में यक्ष्मा रोग के लक्षण मिलेंगे तो उन्हें दवा देकर इलाज किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में सीएचओ प्रवीण कुमार सिंह, नरेश कुमार माजी, एक्सरे टेक्नीशियन बैकुंठ प्रसाद, शिवम कुमार, हर्ष कुमार व सहिया दीदी का सराहनीय सहयोग रहा।

रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबाद (कासं) : सेवा और समर्पण संस्था और ९९ फाउंडेशन के सहयोग से एसएनएमएमसीएच अस्पताल, धनबाद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के सांसद की धर्मपत्नी सवित्री देवी उपस्थित रहीं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डी.एस.पी. (लॉ एंड ऑर्डर) की धर्मपत्नी इकराम उपस्थित रही। डॉ. नीलम मिश्रा ने स्वयं भी रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। मधु सिन्हा सहित कई समाजसेवियों और रक्तदाताओं ने भाग लेकर इस पुनीत कार्य को सफल बनाया। इस कैम्प से कुल २४ यूनिट रक्त प्राप्त हुआ। रक्तदाताओं में हेमा चौरसिया, अनिशा दास, रितलाल कुमार, उज्जवल दत्ता, सीमा देवी, सिमरन सिंह, दीपबली कुमारी, चंदन, गोविंद सिंह, डॉ. नीलम मिश्रा, मनीष कुमार सिन्हा, विश्वजीत मुखर्जी, अमित कुमार मंडल, रविंद्र दास, संजय दास, प्रज्ञा कुमारी, पवन कुमार आदि मौजूद रहें।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत निकाली गयी जागरूकता रैली

धनबाद (कासं) : बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत धनबाद स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी। इस दौरान हाथों में कैंडल लिए दर्जनों की संख्या में धनबाद स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी और स्वास्थ्य कर्मी लुबीसर्कुलर रोड से रंधीर वर्मा चौक होते हुए सिविल सर्जन कार्यालय पहुंचे।

वहीं, मिडिया को जानकारी देते हुए सिविल सर्जन ने बताया कि धनबाद में लिंग अनुपात काफी तेजी से गिर रहा है। लोग कानून का उलंघन कर भ्रुण हत्या कर रहें हैं, जो की समाज के लिए घातक है। भारत सरकार ने कई कड़े कानून बनाए हैं, उसके बाबजूद लोग बेटों की चाह में भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। लोगों में जागरूकता फैलाने को लेकर कैंडल मार्च रैली का आयोजन किया गया है, ताकि लोगों को जागरूक किया जा सके।

प्रतिनिधिमंडल ने किया महापौर संजीव सिंह से शिष्टाचार मुलाकात

केन्दुआ (ससे) : धनबाद के नवनिर्वाचित महापौर, संजीव सिंह से धनबाद एयरपोर्ट मिशन के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात कर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और उन्हें मेयर निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। साथ ही सांकेतिक हवाई जहाज भेंट कर उनका सम्मान किया गया।मुलाकात के दौरान मेयर संजीव सिंह ने आश्वस्त किया कि वे धनबाद की जनता और शहर के समग्र विकास के लिए पूर्ण रूप से कटिबद्ध हैं। चाहे धनबाद में हवाई अड्डे की स्थापना का विषय हो या बस स्टैंड सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास, उन्होंने इस मिशन को अपना भरपूर समर्थन देने का भरोसा दिलाया।इस अवसर पर अविनाश पाण्डेय ने बताया कि यह मिशन गैर राजनीति है, सभी लोग समान भागीदार हैं। इसमें किसी प्रकार का कोई पद नहीं रखा गया है, सभी सदस्य समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) के रूप में कार्य कर रहे हैं। केवल एक संरक्षक मंडल बनाया गया है, और जो भी भागीदार संरक्षक मंडल में शामिल होना चाहते हैं, वे उसकी टीम में जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज से जुड़ा एक जनआंदोलन है।इस अवसर पर आदरणीय संजीव सिंह को दामोदर को जीने दो नामक पुस्तक भी भेंट की गई, जो दामोदर नदी में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण

संरक्षण के विषय पर लिखी गई है।

मुलाकात के दौरान धनबाद एयरपोर्ट मिशन के सदस्यों में श्री पार्श्वनाथ, प्रवीण गोधा, मगधेश कुमार, भारती दूबे, रीना श्रीवास्तव, सोमा सेन, श्रद्धा गोयल मधु सिन्हा निरूपमा (कोडरमाहजारीबाग), संतोषी आनंद, मगदेश कुमार, अमित अग्रवाल, अविनाश पाण्डेय आदि मौजूद थे।

अतिक्रमण के खिलाफ चला रेलवे का बुलडोजर, दर्जनों घरों को किया गया ध्वस्त

धनबाद (कासं) : धनबाद के पम्पु तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य में बाधा बन रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ रेलवे ने बड़ा अभियान चलाया। तालाब के समीप रेलवे की जमीन पर किए गए अवैध कैंजों को हटाने के लिए बुलडोजर चलाया गया। जिसमें करीब एक दर्जन से अधिक अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। बताया जाता है कि पम्पु तालाब का करोड़ों रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

इसी बीच तालाब के आसपास स्थित रेलवे की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से मकान और खटाल बनाकर कब्जा कर लिया गया था। रेलवे प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस जारी कर जमीन खाली करने

का निर्देश दिया था, बावजूद इसके कब्जा नहीं हटाया गया। इसके बाद रेलवे की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान बुलडोजर की मदद से अवैध रूप से बनाए गए करीब एक दर्जन मकानों और खटालों को तोड़ दिया गया। हालांकि अतिक्रमण हटाने के दौरान स्थानीय लोगों की ओर से कुछ विरोध भी देखने को मिला। स्थिति को देखते हुए मौके पर रेलवे अधिकारियों के साथ आरपीएफ और धनबाद थाना की पुलिस भी मौजूद थी। पुलिस ने लोगों को समझाकर मामला शांत कराया जिसके बाद अभियान जारी रखते हुए इलाके को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस संबंध में रेलवे अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी इस तरह के अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, ताकि पम्पु तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य में कोई बाधा न आए।

धनबाद थाना के एसआई देवेन्द्र कुमार ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि पप्पू तालाब स्थित डीएस कॉलोनी में रेलवे द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे और विधिब्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल के साथ वहां मौजूद रहे। फिलहाल उक्त स्थल को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

माँ मथुरासिनी पूजनोत्सव को ले निकाली गई शोभायात्रा

कतरास (ससे) : माँ मथुरासिनी पूजनोत्सव के उपलक्ष्य में माहुरी समाज द्वारा कतरास में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिलापुरुष श्रद्धालु और युवा शामिल हुए। पूरे मार्ग में जय माँ मथुरासिनी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। यात्रा का मुख्य आकर्षण घोड़े की बग्गी में विराजित माँ मथुरासिनी की भव्य प्रतिमा के साथ सजा दिव्य दरबार रहा। रानी लक्ष्मीबाई के स्वरूप में बालिकाओं द्वारा नारी शक्ति का प्रदर्शन तथा राधाकृष्ण की मनमोहक नृत्य प्रस्तुति ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। झांकी, सांस्कृतिक प्रदर्शन, आतिशबाजी और युवाओं के नृत्य ने शोभायात्रा की भव्यता को और बढ़ा दिया। ढोलनगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य माहुरी समाज में एकता, सामाजिक शक्ति का प्रदर्शन करना तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक मूल्यों से जोड़ना है। इस अवसर पर वार्ड ३ पार्षद रागिनी विनायक गुप्ता, वार्ड १ के पार्षद डॉ. मधुमाला, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने भी यात्रा में शिरकत की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शोभायात्रा प्रबंधन समिति के बसंत गुप्ता एवं प्रिंस गुप्ता सेठ, माहुरी वैश्य मंडल के अध्यक्ष नीरज कुमार, सचिव आतिश गुप्ता, उपाध्यक्ष शालिनी सेठ, संगठन मंत्री संजय गुप्ता बबलू, कोषाध्यक्ष अविनाश गुप्ता, माहुरी वैश्य महिला समिति की अध्यक्ष शिखा गुप्ता, सचिव रेणु सेठ, उपाध्यक्ष कविता गुप्ता, संगठन मंत्री डबली गुप्ता, कोषाध्यक्ष दीप्ति गुप्ता, माहुरी वैश्य नवयुवक समिति के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, सचिव रोहित गुप्ता आदि मौजूद थे।

सिंदरी विधायक बजट सत्र में व्यस्तता के बावजूद क्षेत्र की समस्याओं पर गंभीर

बलियापुर (ससे) : विधानसभा के बजट सत्र में अपनी व्यस्तता के बावजूद सिंदरी के लोकप्रिय विधायक चंद्रदेव महतो अपने क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर निरंतर सजग है। इसी क्रम में, विधायक के दिशानिर्देश पर उनके प्रतिनिधि शीतल दत्ता ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर बलियापुर प्रखंड की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराया।

बलियापुर प्रखंड के जगदीश पंचायत अंतर्गत कारीटांड़ (गोप टोला) में घनी आबादी के बीच लगा जर्जर ट्रांसफार्मर और घरों के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज की तारें किसी बड़ी अनहोनी को दावत दे रही हैं। ट्रांसफार्मर से अक्सर चिंगारियां निकलती रहती हैं, जिससे स्थानीय निवासियों, विशेषकर स्कूल और आंगनबाड़ी जाने वाले बच्चों में हमेशा डर बना रहता है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा हस्ताक्षरित मांग पत्र महाप्रबंधक को सौंपा गया। विधायक प्रतिनिधि की बात को गंभीरता से सुनते हुए महाप्रबंधक ने तत्काल सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधीनस्थ अधिकारियों को फोन कर स्पॉट विजिट करने का आदेश दिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि इस समस्या का यथाशीघ्र स्थायी समाधान निकाला जाए। विधायक की इस सक्रियता और विभाग के त्वरित रिस्पांस से स्थानीय ग्रामीणों में आशा की किरण जगी है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल संख्या-1, धनबाद

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद के अन्तर्गत ई–प्रोक्यूरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– DHN-1/19/2025-26 जिसका सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के PR No.- 373540 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 है, में निम्नलिखित संशोधन संसूचित किया जाता है।

क्र.	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित सूचना	संशोधित सूचना
1	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	28.02.2026, 4.00 बजे अपराह्न तक।	11.03.2026, 4.00 बजे अपराह्न तक।
2	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	07.03.2026, 5.00 बजे अपराह्न तक।	16.03.2026, 5.00 बजे अपराह्न तक।
3	तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समयः	09.03.2026, 1.00 बजे अपराह्न	17.03.2026, 5.00 बजे अपराह्न

शेष सभी शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल संख्या–1, धनबाद

PR 374631 Drinking Water and Sanitation(25-26).D

उप विकास आयुक्त –सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी का कार्यालय, जिला परिषद, बोकारो

–:: सूचना ::–

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला परिशद, बोकारो की सामान्य बैठक में पारित प्रस्ताव के आलोक में जिला परिषद के विभिन्न स्थानों में भवनों का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के अन्तर्गत सूचीबद्ध वास्तुविद्/परामर्शी से भवनों का डी0पी0आर0 तैयार कराया जाना है। इच्छुक सूचीबद्ध वास्तुविद्/परामर्शी भवनों का डी0पी0आर0 तैयार करने से संबंधित दर दिनांक 18.03.2026 तक जिला परिषद कार्यालय के ई–मेल- zpbokaro@gmail.com या बन्द लिफाफे में जिला परिषद कार्यालय, बोकारो में अपना भाव पत्र समर्पित कर सकते है। डी0पी0आर0 तैयार किये जाने संबंधी भवनों की विवरणी निम्नवत् है :–

कमांक	प्रखण्ड	कार्य का नाम
1.	चास	जिला परिषद कार्यालय परिसर के खाली भू–खण्ड पर बहुद्देशीय भवन का निर्माण।
2.	चास	महावीर चौक, चास स्थित जिला परिषद की भूमि पर मीनी मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण।
3.	चास	पुपुनकी स्थित जिला परिषद की भूमि पर रिसॉट एवं वाटर पार्क का निर्माण।
4.	गोमिया	गोमिया डाक बंगला परिसर के बगल में मॉडल विवाह मंडप का निर्माण।

उप विकास आयुक्त –सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, बोकारो।

PR 374605 Urban Development(25-26)D

कार्यालय विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

अतिअल्पकालिन निविदा आमत्रंण सूचना सं0 34/2025–26

1. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम :– विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।
2. विभाग का नाम :– ऊर्जा विभाग
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि :– दिनांक 17.03.26 के 12:00 बजे अपराह्म तक
4. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 18.03.26 के 02:00 बजे अपराह्म तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 18.03.26 के 02:30 बजे अपराह्म में
6. परिमाण विपत्र बिकी का स्थान :– विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत कार्य अंचल, राँची का कार्यालय/विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद/जिला नियंत्रण कक्ष धनबाद।
7. निविदा खोलने का स्थान :– विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

कार्य की विवरणी :–

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र की राशि रू0	अग्रधन की राशि रू0	अवधि
1	Provision of Security light in the Division office (Road Construction Department) at Hazaribagh.	4,69,364.00	750.00	2 % of the Estimated value	7 days
2	Provision of Lighting conductor in Judicial Qtrs Buildings (C/26,C/14,C/35,C/42,C/43,C/45,D/16,D/39,D/42,D/23,D/25,D/21 Sirsiya block and PDJ Residence, C/1,C/9,E/05,E/06,E/07,P/1, P/2,P/3 Officer colony & CJM and ACJM residence Jhanda Maidan at Giridih.	4,42,487.00	750.00	2 % of the Estimated value	7 days

निविदा के नियम एवं शर्तें कार्यालय के सूचना पट एवं वेबसाइट www.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

PR 374587 (Energy) 25-26 (D)

e-Proccurement Cell ENERGY DEPARTMENT GOVT.OF JHARKHAND Electrical Executive Engineer Electric Works Division, Dhanbad

e- Procurement cell

Very Short E-Tender Reference No- Energy/EWD/Dhanbad/33/2025-26

Sl. No	Name of work	Estimated Cost (Rs)	Tender Fee (BID Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Completion Date
1	SITC of 1 nos 200 KVA Silent type D.G set for Civil Court, Dhanbad.	48,12,594.00	10000.00	96,500.00	10 days
2	Provision of Garden and path light in the Indira Gandhi Girls Residential School Campus at Hazaribagh.	12,15,569.00	5000.00	24500.00	10 days
3	Date of Publication of tender on website	12.03.2026			
4	Online bid submission period	From 13.03.2026 at 10:30 am to 18.03.2026 at 2:00 pm			
5	Technical Bid Opening Date	19.03.2026 at 3:00 pm			
6	Name and address of the office inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Dhanbad.			
7	Contact no. of Procurement officer	0326-2311382			
8	Helpline number of e- Procurement cell	0651-2490069			

Note- Only online tender will be accepted.
Any change in B.O.Q can be see on website http://jharkhandtenders.gov.in
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad.

PR.NO.374585 Energy(25-26):D

Office of The Inspector General of Police, N. C. Zone, Bokaro, Pin-827004

Short Notice Inviting Tender (NIT)

Sealed tenders are inviting from the local suppliers who are GST registered in Jharkhand for the supply of **Computer related items :-**

Tender No.	Last Date & Time of Submission of Bid	Opening of Technical Bid (Date & Time)
Office of The I.G. of Police, N. C. Zone, Bokaro NIT No. 01/2026-2027	29.03.2026 06:00 PM	30.03.2026 11:00 AM

A Complete Set of Bid documents may be purchased by any interested eligible Bidder on the submission of a written Application to the I.G. of Police, N. C. Zone, Bokaro-827004 upon payment of a non refundable fee of Rs. 500/- (Five hundreds only) in the form of demand draft in favour of I.G. of Police, N. C. Zone, Bokaro Payable at Bokaro Steel City.

The Bid Documents may be purchased personally form the Office of the I.G of Police, N. C. Zone, Bokaro-827004 the during office hours on all working days after publication of Bid.

Bidder can also download the tender document **(Terms & Condition / Annexure-'A') from Jharkhand Police Web-site www.jhpolice.gov.in,** in case the tender is submitted in the downloaded documents the bidder has to enclose a demand draft Rs. 500/- (Five hundreds only) in favour of I.G. of Police, N. C. Zone, Bokaro along with the tender document.

I. G. of Police,
N. C. Zone, Bokaro.

PR 374559 (Police)25-26*D

कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह

ई-मेल: giridihmunicipalcorporation@gmail.com

आम - सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर निगम, गिरिडीह क्षेत्रान्तर्गत भवन प्लान पारित करने के क्रम में झारखण्ड भवन उपविधि, 2016 की यथा संशोधित कण्डिका–16 के अनुसार Medium एवं High Risk Category भवनों के लिए Third Party Inspection cum Certification कार्य हेतु Architect/Engineer के Third Party के रूप में Registration की कार्रवाई किया जाना है।

अतः सूचित किया जाता है कि इच्छुक Professionals यथा Architect/Engineers जिनका Experience नीचे दिए गए तालिका के अनुसार हो वे अपना निबंधन हेतु Online Application Submit कर सकते हैं –

Architect

Grade	Minimum Experience	Work Assigned
A	10 Yrs. And above	Any work
B	More than 8 Yrs.	Up to 16.4 meter height
C	Minimum 3 Yrs.	Up to 10 meter height

Engineer

Grade	Minimum Experience	Work Assigned
A	10 Yrs. With PG and above	Any work
B	More than 8 Yrs.	Up to 16.4 meter height
C	Minimum 3 Yrs.	Up to 10 meter height

ह0/–
प्रशासक,
नगर निगम गिरिडीह

PR 374551 Urban Development (25-26)_D

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में १० मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, निदेशक प्रभारी (बोकारो इस्पात संयंत्र) प्रिय रंजन ने विशिष्ट अतिथियों के साथ परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया, जो ज्ञान, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है. इस अवसर पर बोकारो महिला समिति की अध्यक्षा शुभम रंजन, पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल (प्रसिद्ध पर्वतारोही) तथा पद्मश्री चामी मुर्मू (पर्यावरण कार्यकर्ता) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं.

समारोह में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) बनर्जी राजश्री, अधिशासी निदेशक (खान) श्री विकास मनवती, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. के. भारद्वाज, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. आनंद कुमार, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) धनंजय कुमार, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा तथा महाप्रबंधक (बीई) अनुपमा तिवारी सहित बड़ी संख्या में महिला अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे.

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) अनिमा कुशवाहा ने स्वागत भाषण देते हुए सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने बीएसएल की महिला कर्मियों को इंक्रेडिबल आयरन लेडीज की संज्ञा देते हुए उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की. इस वर्ष के विषय गिव टू गेन पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण समाज और संगठन की संपूर्ण क्षमता को उजागर करने का माध्यम है. उन्होंने कविता के माध्यम से नारी शक्ति को दुर्गा का रूप बताते हुए उनकी वंदना की.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में कला अकादमी के छात्रों द्वारा भक्ति नृत्य, महिला अधिकारियों द्वारा प्रेरणादायक गीत तथा संकार्य विभाग की गैर-कार्यपालक महिला कर्मियों द्वारा क्षेत्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल और पद्मश्री चामी मुर्मू ने अपने प्रेरक अनुभवों को साझा किया, जिसके पश्चात उन्हें सम्मानित भी किया गया. कार्यक्रम में बीएसएल की २० महिला कार्मिकों को उत्कृष्टता अवार्ड तथा प्रोजेक्ट्स डिवीज़न में कार्यरत सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला कर्मचारी श्रीमती जानकी देवी को दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया. अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री प्रिय रंजन ने संयंत्र की प्रगति में महिलाओं की निर्णायक भूमिका की सराहना की और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया.

विशेष आकर्षण के रूप में बोकारो जनरल अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा जीते हैं चल संवाद नृत्य, स्टील गर्ल्स २.० नृत्य नाटिका, 'किलकारी' क्रेच के बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस तथा वित्त एवं लेखा विभाग द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की गई. साथ ही बीजीएच के नर्सिंग स्टाफ द्वारा नर्थिंग इज इम्पॉसिबल नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई. कार्यक्रम का समापन महाप्रबंधक (बीई) अनुपमा तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ.

यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र में समावेशी कार्य-संस्कृति को बढ़ावा देने और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रबंधन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और उनकी उपलब्धियों का सम्मान न केवल कार्यस्थल पर सकारात्मकता और मनोबल बढ़ाता है, बल्कि यह संयंत्र की समग्र उत्पादकता, कार्य-कुशलता और संगठनात्मक उत्कृष्टता के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है.

प्रपत्र संख्या –1 Office of the Executive Engineer Drinking Water & Sanitation Division Jamtara

Very Short e-Procurement Notice
e-Tender reference no- DWSD/EE/JAMTARA – 16/DWSD/JMT/2025-26 Date :- 09.03.2026

1	Name of the Work	Supply of Spare parts of deep well hand pump India Mark-II Conforming to I.S: 9301-1990 with latest amendment (may be read alongwithIst amendment IS: 15500(Part 1-7) 2004 with latest amendment for spare parts of India Mark- II respectively) under D.W.& S. Division, Jamtara for the year 2025-26.
2	Estimated Cost (In lakh)	19,80,300.00
3	B.O.Q Cost (In Rs.)	5,000.00
4	Earnest Money(In Rs.)	40,000.00
5	Time of Completion	7 Days.
6	Date of publication of Tender on Web site	12.03.2026 / 04.00PM
7	Last date /Time for receipt of Bid	17.03.2026/ 04.00PM
8	Last date /Time for Online receipt of Earnest money and Cost of BOQ	17.03.2026/ 04.00PM
9	Date of opening of Tender	18.03.2026/ 04.00 PM
10	Name & address of office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Jamtara.
11	Contact no of E-Procurement office	Santosh kumar mahto (9955525176)

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Drinking water & Sanitation Division
Jamtara.

PR 374506 (Police Wireless Headquarter)25-26*D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, DRINKING WATER & SANITATION DIVISION TENUGHAT

Very Short Expression of Interest (EOI) Notice
Reference No. - DWSD/Tenughat/09/2025-26 DATED: 09/03/2026

1	Name of Work	Expression of Intrest for Doing Videography and making project wise file for 21 Nos. of Rural Water Supply Scheme (DMFT) Videography must be clear photo & voice, recording, mixing and casting with HD Video quality for minimum 10 – 15 minuts for each Scheme under Drinking wat er and Sanitation Division Tenughat.
2	Tender Value	N/A
3	Bid Validity	180 Days
4	Work Completion time	45 Days
5	Cost of Tender Paper (Rs.)	N/A
6	Earnest Money (Rs.)	N/A
7	Last Date & Time for Receipt of Bid.	20/03/2026 at 4:00 PM
8	Date & Time of Opening of EOI	23/03/2026 at 4:00 PM
9	EOI receipt & opening place	O/o Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division Tenughat
10	Name & Address of Office inviting EOI	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division Tenughat
11	Contact No. of Procurement Office	9430308778, 8863832825

Note:-
• Further details can be seen on Office Notice Board

Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation
Division Tenughat

PR 374562 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद।

अति–अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा (1st Call) निविदा सूचना सं0–RCD /DHANBAD/426/2025-26
दिनांक : 10.03.2026

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल, धनबाद अन्तर्गत कार्यपालक अभियंता कार्यालय–सह–सहायक अभियंता कार्यालय का निर्माण कार्य (वित्तीय वर्ष 2025–26)।
2.	प्राक्कलित राशि (रू0)	रू0 1,98,96,400.00
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	11 माह
4.	ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	18.03.2026 के पूर्वाह्न 12.00 बजे तक
5.	ई–निविदा का बेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि एवं समय	12.03.2026 के पूर्वाह्न 10.30 बजे से
6.	ई–निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद।
7.	ई–प्रोक्यूरमेन्ट अधिकारी का सम्पर्क नं0	0326–2313368
8.	ई–प्रोक्यूरमेन्ट सेल का सम्पर्क सहायता नम्बर	0651–2401010

विस्तृत जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,
धनबाद।

PR 374627 Road (25-26)D

कार्यालय, जिला आयुष समिति, बोकारो आयष स्वास्थ्य शिविर

आम जनों को आयुष स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य जाँच हेतु आमंत्रण

राष्ट्रीय आयुश मिशन के तहत निदेशानुसार एवं अनुमोदनोंपरांत बोकारो जिला के चार प्रखण्डों में (चास, गोमिया, चन्दनकियारी तथा नावा डीह) चिन्हित आयुष ग्रामों में दिनांक 11.03.2026 तथा 14.03.2026 को आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है/जाना है।

आम जनों से आग्रह है कि सूची में संलग्नित स्थान एवं समय 10:00 बजे पूर्वाह्न से 04:00 बजे अपराह्न तक में उपस्थित होकर आयुश स्वास्थ्य शिविर का लाभ प्राप्त करें।

यह सूचना जनहीत में जारी।

माह मार्च 2026 में चिन्हित चार प्रखण्डों में आयुश स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्थानवार एवं तिथिवार निम्न है–

Month :-March 2026

SL. No	प्रखण्ड का नाम	आयुष ग्रमों का नाम एवं चिन्हित स्थल	दिनांक
1	गोमिया	स्वांग शिव मंदिर, डी0ए0भी0 पब्लिक स्कूल के पास	11.03.2026
	नावाडीह	कटघारा आंगनबाड़ी केन्द्र के पास	
	चास	चौरा बस्ती हरला आंगनबाड़ी केन्द्र।	
	चन्दनकियारी	कोरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैम्पस, कोरिया।	
2	चास	ग्वालाडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैम्पस, पिण्ड्राजोरा।	14.03.2026
	नावाडीह	च्परी पंचायत भवन।	
	गोमिया	थ्चपरी पंचायत भवन।	
	चन्दनकियारी	बोरियाडीह फटबॉल मैदान	

सदस्य सचिव,
जिला आयष समिति, बोकारो।

PR.NO.374648 Health Med Edu and Family Welfare(25-26):D

खान श्रमिक कांग्रेस के तत्वावधान में महिला दिवस मनाया गया

सांकतोड़िया (ससे): ईसीएल के सांकतोडिया अस्पताल में मंगलवार को खान श्रमिक कांग्रेस के तत्वावधान में महिला दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम में सांकतोड़िया अस्पताल के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौनीश कुमार मोदक , खान श्रमिक कांग्रेस के महामंत्री मृत्युंजय सिंह, महेंद्र गुप्ता पश्चिम बंगाल सचिव, दयाचंद नोनिया, मिथुन साव, पवित्रो बाउरी, नमिता मांझी सोरेन, सुमेधा भारती, आदि कार्यकर्ता थे।

इस मौके पर सभी, चिकित्सा महिलाओं, स्टाफ नर्स, एवं कामगार महिलाओं को, वस्त्र एवं मिठाई देकर खान श्रमिक कांग्रेस द्वारा सम्मानित किया गया। इसके बाद महामंत्री मृत्युंजय सिंह ने कहा कि भारतवर्ष के साथ साथ पूरे कोयला उद्योग में भारतीय

मजदूर संघ महिलाओं के सम्मान और अधिकार के लिए महिला दिवस मनाने का निर्धारित कार्यक्रम तैयार किया है। कहां की प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अस्पताल की सभी महिला कर्मचारी एवं नर्सों को सम्मानित करता रहा हूं और इस वर्ष भी कर रहा हूं मुझे उम्मीद है कि यह लोग बड़ी तत्परता के साथ क्षेत्र रोगियों को देखभाल करेंगी। महिलाओं की सुरक्षा, अधिकार , समान कार्य के लिए समान वेतन, आदि हर क्षेत्र की महिलाओं को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय मजदूर संघ कटिबद्ध है। महिला हित सर्वोपरि, को ध्यान में रखते हुए कार्य करती है।

प्राचार्य का कार्यालय शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय, धनबाद

पत्रांक :– 488 /एस0एन0एम0एम0सी दिनांक :– 09.03.2026

अतिअल्पकालिन ई0 निविदा–सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय, धनबाद में Central Sector Scheme के तहत "Human Resource Development for Emergency Medical Service" के अन्तर्गत NELS Skill Lab का स्थापना हेतु 2–बोली व्यवस्था (2 - bid system) के अन्तर्गत निम्नांकित शर्तों के अधीन Online निविदा आमंत्रित किया जाता है। Online निविदा डालने की अंतिम तिथि 17.03.2026 संध्या 5.00 बजे तक होगी। हाथों – हाथ/स्पीड पोस्ट/कूरियर द्वारा भेजे गये निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा। केवल Online जमा किये गये निविदा ही स्वीकार किये जायेगें।

प्राचार्य,
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय,
धनबाद

PR 374592 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)#D

उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय ,गिरिडीह

(जिला बाल संरक्षण इकाई)

दूरभाष संख्याः–8969169046 ई–मेलः–dcpsgiridih2024@gmail.com

आम सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग (झारखण्ड राज्य बाल संरक्षण संस्था), राँची द्वारा बाल संरक्षण सेवाएं अंतर्गत मिशन वात्सल्य योजना के तहत सभी जिला में पालन पोशण देखरेख योजना **(Foster Care)** संचालित किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य देखरेख एवं परिवार विहिन बच्चों को अल्पकाल हेतू परिवार उपलब्ध कराना है। बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु परिवार अत्यंत आवश्यक है।

उक्त हेतु परिवार की योग्यता निम्नवत् हैः–

(1) पति–पत्नी भारतीय नागरिक हो और 35 वर्श से अधिक आयु के हो।
(2) पति–पत्नी भारतीय बच्चें की पालन, पोशण देखरेख करने में इच्छुक हो।
(3) पति–पत्नी दोनों का शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा हो।
(4) आप बच्चें की जरूरतों को पूरा कर सकते हो।
(5) आपके पास पर्याप्त जगह और जरूरी सुविधाएं हो।
(6) आप किसी आपराधिक मामले में दोशी नहीं हो।

अतः गिरिडीह जिले के वैसे इच्छुक दम्पति/परिवार जो जिले के 18 वर्श से कम उम्र के परिवार विहीन बच्चों अथवा बाल गृहों में रहने वाले बच्चों को अल्प अवधि के लिए अपने परिवार के रखकर उनका पालन–पोशण एवं देखरेख करना चाहते हैं, वह इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते है।

पता :–जिला बाल संरक्षण इकाई, गिरिडीह।
(नया समाहरणालय, द्वितीय तल, पपरवाटांड़, गिरिडीह)जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी गिरिडीह। –8969169046 संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख), गिरिडीह। –9798754892

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी,
गिरिडीह

PR 374583 (Giridih)25-26*D

भविष्य के नीति निर्माण के लिए बुनियाद है जनगणनाः उपायुक्त

बोकारो (ससे): डीपीआरसी भवन सभागार में जनगणना २०२७ के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर जिला/चार्ज अधिकारियों एवं तकनीकी सहायकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जनगणना किसी भी देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह भविष्य की योजनाओं और नीति निर्माण के लिए ठोस आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि लगभग डेढ़ दशक के बाद यह जनगणना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इसलिए सभी अधिकारियों और कर्मियों को इसे पूरी गंभीरता के साथ संपन्न करना होगा।

उपायुक्त ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों (बीडीओ/सीओ व अन्य) और तकनीकी सहायकों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही सभी बातों को ध्यानपूर्वक सुनें और समझें। यदि किसी प्रकार की जिज्ञासा या प्रश्न हो तो प्रशिक्षकों से उसका समाधान अवश्य प्राप्त करें, ताकि फील्ड में कार्य करते समय किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं, प्रपत्रों के सही उपयोग, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा फील्ड में कार्य करने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से भी समझाया जा रहा है।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी संबंधित जिला/चार्ज अधिकारी एवं तकनीकी सहायक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के उपरांत ये सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना २०२७ के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य संपादित करेंगे। जानकारी हो कि, इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से की जाएगी। टैब/मोबाइल आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से डेटा संकलन होगा। ताकि सूचनाओं का संग्रहण तेजी - सटीकता व समयबद्धता के साथ किया जा सके।

मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, सहायक निदेशक जनगणना मुरारी मोहन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अशोक खालखो, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

शिशु विद्या मंदिर में जागरूकता कार्यक्रम

बलियापुर (ससे) : शिशु विद्या मंदिर में टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑथोरिटी ऑफ़ इंडिया (ट्राई) की ओर से टेलीकॉम उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर टेलीफोन सेवा की गुणवत्ता तथा ट्राई भारत सरकार द्वारा इस विषय पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई।
सरकार द्वारा उपभोक्ता हित में उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी गई। वहीं फ्रॉड कॉल से बचाव के उपाय बताए गए. मौके पर स्कूल के छात्र-छात्राओं के बीच सवाल जवाब आयोजित किया गया. छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। मौके पर प्रदीप कुमार मुखर्जी, रामानुज प्रसाद के अलावा स्कूल की अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मंडल कारा चास का डीसी - एसपी की देख रेख में चली छापेमारी

बोकारो (ससे): मंगलवार को मंडल कारा चास में उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह की देखरेख में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। यह अभियान घंटे भर तक चला, जिसमें दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों की छह अलग-अलग टीमों ने जेल परिसर के विभिन्न वार्डों में सघन जांच की।

छापेमारी के दौरान कैदियों के वार्ड, बैरक एवं अन्य स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई। हालांकि, जांच के दौरान किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ। प्रशासन ने इस तरह की कार्रवाई को जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा किसी भी अवांछित गतिविधि पर रोक लगाने के उद्देश्य से नियमित रूप से किए जाने की बात कही।

छापेमारी अभियान में अपर समाहर्ता (एसी) मुमताज अंसारी - डीएसपी सिटी आलोक कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा - डीएसपी मुख्यालय अनिमेष गुप्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम - डीएसपी ट्रैफिक विद्या शंकर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो - पुलिस निरीक्षक संगीता, अंचलाधिकारी चास राम सेवा राम - डीएसपी राणा, कार्यपालक दंडाधिकारी जया कुमारी - डीएसपी मुकेश सहित अन्य जवान शामिल रहे।

डीसी - एसपी ने बताया कि जेल परिसर में सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की जांच आगे भी जारी रहेगी। मौके पर जेल अधीक्षक सह डीएलओ द्वारिक बैठा, जेलर रामाकांत, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

जाम ने लोगों का किया जीना हराम

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर में जीटी रोड को जाम से मुक्ति नहीं मिल पा रही है। मंगलवार को भी जीटी रोड पर महाजाम लगा ट्रैफिक विभाग एवं एलिवेटेड रोड निर्माण कंपनी की सारी व्यवस्था स्वस्थ हो गई है। स्थिति तो यह है कि बहुत जरूरी होने पर ही दूसरे इलाके के लोग गोविंदपुर बाजार आ रहे हैं। धनबाद से आने वाले लोग तो अपने परिचितों से पूछ कर चलते हैं कि जाम है कि नहीं बात के अनेक लोग बलियापुर होकर आ रहे हैं और गोविंदपुर बाजार के बाहर जीटी रोड पकड़ रहे हैं।

सर्वाधिक जाम टुंडी रोड के मुहाने पर लग रहा है सरकारी अस्पताल के आगे बस पड़ाव होने और टेंपो स्टैंड बन जाने से जाम विकराल रूप धारण कर रही है क्योंकि निर्माण काम गोविंदपुर बाजार में होने के कारण सड़क ऐसे ही संकीर्ण कर दी गई है गोविंदपुर बाजार में सड़क जाम की समस्या से निष्पादन के लिए विगत २० जनवरी २०२६ को अनुमंडल अधिकारी लोकेश बारंगे पहुंचे थे। उनके साथ जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सिंह द्विवेदी अंचलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह डीएसपी मुख्यालय एक शंकर कामती आदि भी थे। सड़क जाम की समस्या के समाधान के लिए एसडीएम ने कई दिशा निर्देश दिए थे परंतु उसका अनुपालन नहीं हो पाया है। यही कारण है कि सड़क जाम की समस्या जस की तरह है। सड़क जाम के कारण गोविंदपुर में ईद का बाजार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोग सड़क के इस पार से उसे पार नहीं जा पा रहे हैं। सबसे विकट स्थिति तो उसे समय हो जाती है कि जब मरीज लदी एंबुलेंस जाम में फंस जाती है और निकलने का कोई रास्ता नहीं रहता धनबाद से पश्चिम बंगाल, देवघर, दुमका, गोड्डा जाने के लिए गोविंदपुर आना व्यवस्था भी है और लोग जाम में फंस जा रहे हैं। कभी कोलकाता रोड तो कभी दिल्ली रोड जाम ही जाम रहता है और इस जाम के चलते ग्रामीणों का गोविंदपुर बाजार आना तथा सब्जी यदि बेचकर जीवन यापन करना मुश्किल हो गया है।

धकोकसं ने सदस्यता बढ़ाने वालों को किया सम्मानित

पुटकी (ससे) : श्रमिक क्लब पुटकी में अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के महामंत्री सुजीत कुमार सिंह का अभिनंदन किया गया। धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस सम्मेलन में सदस्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वालो को अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वही पुटकी बलिहारी क्षेत्र को सदस्यता बढ़ाने के उपलक्ष्य में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ द्वारा तृतीय स्थान प्रदान कर क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।
मुख्य अतिथि सुजीत कुमार सिंह ने कहा कि सभी के सहयोग से ही संगठन मजबूत होता है। उन्होंने चार लेबर कोड को मजदूरों के हित में बताया।

उन्होंने कहा कि इससे मजदूरों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के महामंत्री सह कोल इंडिया के मानकीकरण समिति के सदस्य सुजीत कुमार सिंह, भारतीय मजदूर संघ झारखण्ड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह प्रभारी बीसीसीएल, ईसीएल, सीएमपीएफ माधव सिंह, अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के मंत्री सह बीसीसीएल वेलफेयर बोर्ड मेंबर के के सिंह, धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मुरारी ताती, महामंत्री उमेश सिंह, संयुक्त महामंत्री भौमिक महतो जी, संगठन मंत्री सुशील सिंह जी, डी.सी.के.एस. के पदाधिकारी राजलाल यादव, संजीव सिंह, अनिल कुमार, अरिंजय श्रीवास्तव, मनोज साव आदि क्षेत्र के जुझारू कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

पीडीजे - डीसी - एसपी ने व्यवहार न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बोकारो (ससे): प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, उपायुक्त अजय नाथ झा तथा पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने संयुक्त रूप से व्यवहार न्यायालय बोकारो की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान न्यायालय परिसर में विधि-व्यवस्था बनाएं रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के क्रम में न्यायालय मुख्य प्रवेश द्वार तथा आसपास के मुख्य मार्गों पर तत्काल सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापन करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि व्यवहार न्यायालय परिसर तथा मुख्य सड़क की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। सभी कैमरों की फीड जिला समेकित नियंत्रण कक्ष (सीसीआर) में उपलब्ध रहेगी, जहां से पूरी व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी द्वारा समेकित नियंत्रण कक्ष से सीसीटीवी कैमरों की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी।

अधिकारियों ने न्यायालय परिसर में तैनात पुलिस जवानों* को आवश्यक निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सतर्क एवं व्यवस्थित बनाए रखने पर बल दिया।

जनता दरबार, डीडीसी ने सुनी आमजनों की समस्याएं

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इसके बाद प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।
मौके पर निदेशक डीपीएलआर मेनका, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण भगत, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार उपस्थित थे।जनता दरबार में मुख्यत: राशन कार्ड के मामले, जमीन विवाद एवं जमीन का ऑनलाइन रशीद के मामले, तारानारी स्थित तिलैयाबांध की मरम्मती, प्रधानमंत्री आवास के मामले, आरटीई के तहत स्कूल में एडमिशन के मामले, बिजली बिल सुधार से संबंधित मामले, नियोजन से संबंधित मामले, डीसी पुल के तहत आवास मरम्मती से संबंधित मामले प्रकाश में आए जिन्हें उप विकास आयुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन भेज कर त्वरित कार्रवाई कर जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करें, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

सिंदरी विधायक ने इंटरनेशनल खिलाड़ी अनु कुमारी को आर्थिक सहयोग की मांग की

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बलियापुर की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अनु कुमारी की दयनीय आर्थिक स्थिति की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाया। साथ ही सरकार से आर्थिक तंगी से जूझ रही इस महिला खिलाड़ी को सहयोग की मांग की। मालूम हो की वर्ष २०२४ में चीन में आयोजित विश्व लेजर रन पेंटाथलोंन चैंपियनशिप में बलियापुर की खिलाड़ी अनु कुमारी ने कांस्य पदक जीतकर झारखंड एवं देश का नाम रोशन किया था। विधायक श्री महतो ने अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अनु कुमारी को आर्थिक सहायता की मांग सरकार से किया है। वही विधायक श्री महतो ने इस दौरान राज्य के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्ति की मांग की है। इस पर राज्य के पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से विधायक श्री महतो के सवालों पर आवश्यक पहल का आश्वासन दिया है।

सरकारी स्कूलों के विकास के लिए हर्ल व शिक्षा विभाग के बीच हुआ एमओयू

धनबाद (कासं) : सिंदरी इलाके में मौजूद १० सरकारी स्कूलों में शिक्षा और उससे जुड़ी संरचनाओं में सुधार व बढ़ोतरी करने तथा स्कूलों के विकास के लिए हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (हर्ल) तथा जिला शिक्षा विभाग के बीच एमओयू साइन हुआ। एमओयू पर हर्ल सिंदरी के बिजनेस यूनिट हेड गौतम माजी और जिला प्रशासन की ओर से जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार ने हस्ताक्षर किए। इसकी जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधीक्षक ने बताया कि इस एमओयू से सिंदरी इलाके में मौजूद १० सरकारी स्कूलों में शिक्षा और उससे जुड़ी संरचनाओं में सुधार और बढ़ोतरी पर फोकस किया जाएगा। यह पहल हर्ल के कॉर्पोरेट एनवायरनमेंट रिस्पॉन्सिबिलिटी (सी.ई.आर.) प्रोग्राम के तहत की जा रही है। जो कंपनी के सस्टेनेबल सोशल अपलिफ्टमेंट के कमिटमेंट पर जोर देता है। इसमें हर्ल से राशि मिलेगी और इस प्रोजेक्ट को जमीन पर जिला प्रशासन द्वारा पूरा किया जाएगा, ताकि स्थानीय शिक्षा की गुणवत्ता और जरूरतों के हिसाब से इसे पूरा किया जा सके।

वहीं हर्ल सिंदरी के बिजनेस यूनिट हेड गौतम माजी ने छात्रों के लिए बेहतर सीखने का माहौल बनाने के लिए हर्ल के समर्पण को दोहराया। जबकि जिला शिक्षा अधीक्षक ने जिले के शिक्षा के लक्ष्यों को पूरा करने में हर्ल की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की।

कार्यक्रम का समापन हर एक काम, देश के नाम के साझा विजन के साथ हुआ, जो हर्ल और सरकार के बीच मिलकर किए गए प्रयासों में एक नया अध्याय शुरू करता है।

हत्या के आरोपी को डुमरी पुलिस ने भेजा जेल

डुमरी (ससे): एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ०६.३.२०२६ को डुमरी थाना क्षेत्र के ग्राम भरखर टोला घुटियागढ़ा में एक तालाब से शनिचर टुडू नामक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था।जिसकी हत्या किसी अपराधकर्मी के द्वारा कारित किया हुआ पाया गया।

सावित्री बाईफुले को दी गयी श्रद्धांजलि

सिंदरी (ससे) : नारी मुक्ति आंदोलन की प्रेरणा स्रोत एवं भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के ११९वें स्मरण दिवस पर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) सिंदरी नगर कमिटी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
मौके पर एडवा सिंदरी-बलियापुर क्षेत्रीय कमिटी की सचिव रानी मिश्रा ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस समय देश का पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया, जब लड़कियों की शिक्षा को समाज और धर्म के विरुद्ध माना जाता था। अनेक विरोध और कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और शिक्षा के लिए संघर्ष करती रहीं। कार्यक्रम में एडवा सिंदरी नगर कमिटी की अध्यक्ष सविता देवी, कोषाध्यक्ष रंजू प्रसाद, संयुक्त सचिव रीमा यादव सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में बीएसएल की नई पहल

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग ने महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'समर्पण वेलफेयर एसोसिएशन सोशल डेवलपमेंट' (समर्पण-एसडब्ल्यूएएसडी) तथा तकनीकी साझेदार 'ऊषा इंटरनेशनल लिमिटेड' के सहयोग से महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका विकास पहल का शुभारंभ किया है. इस परियोजना के लिए बीएसएल और समर्पण-एसडब्ल्यूएएसडी के बीच आज १० मार्च को सेक्टर-२ स्थित हस्तशिल्प प्रशिक्षण केंद्र में एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी (बीएसएल) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. के. भारद्वाज, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) धनंजय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) अनिमा कुशवाहा, महाप्रबंधक (सीएसआर) पी. पी. चक्रवर्ती, ऊषा इंटरनेशनल लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक सैकत कुमार, समर्पण के सचिव राजेश कुमार सहित सीएसआर टीम एवं संयंत्र के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.इस पहल का मुख्य उद्देश्य बोकारो इस्पात संयंत्र के परिधीय गांवों की वंचित महिलाओं को सिलाई एवं कढ़ाई में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है. यह परियोजना एक वर्ष की अवधि के लिए संचालित की जाएगी. कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों की ५० महिलाओं की पहचान की जाएगी, जिनमें से २५ महिलाओं को ऊषा इंटरनेशनल के विशेषज्ञों द्वारा २५ दिवसीय गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा.

इस परियोजना के अंतर्गत एक 'प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्र' (टीसीपीसी) भी स्थापित किया जाएगा, जहाँ प्रशिक्षित महिलाएं अपनी उत्पादन गतिविधियों को जारी रख सकेंगी. पहल में सिलाई मशीनें, प्रशिक्षण सामग्री और तकनीकी सहायता का प्रावधान शामिल है. प्रशिक्षण के उपरान्त लाभार्थियों की निरंतर आय सुनिश्चित करने के लिए जॉब ऑर्डर और बाजार से जुड़ाव (मार्केट लिंकेज) के माध्यम से सहायता प्रदान की जाएगी. इस योजना से प्रत्येक प्रशिक्षित महिला की न्यूनतम मासिक आय ५,००० रुपये होने की संभावना है, जो भविष्य में बाजार विस्तार के साथ बढ़ेगी.

साझेदारी के ढांचे के तहत, बीएसएल वित्तीय सहायता और बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा, जबकि समर्पण संस्था कार्यक्रम के कार्यान्वयन और केंद्र के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगी. ऊषा इंटरनेशनल तकनीकी ज्ञान और प्रमाणन प्रदान करेगी. यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी बल्कि उनमें उद्यमशीलता के गुणों का भी विकास करेगी. यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने परिधीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है. कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर बीएसएल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि निगमित सामाजिक दायित्व के माध्यम से एक समृद्ध और समावेशी समाज के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है.

राजस्व कर्मचारी ने लालपुर ग्राम का किया मुआयना

पुटकी (ससे) : अंचल अधिकारी विकास आनंद पुटकी के आदेश पर राजस्व कर्मचारी अंजनी कुमारी लालपुर ग्राम का मुआयना किया। जिसमें ग्रामीणों ने अपनी व्यथा ब्या करते हुए कहा कि जब से नगरनिगम बना है, आज तक पूरा लालपुर फुटहा गांव उपेक्षा की दंश झेल रहा है। मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। नगरनिगम कार्यल्य से लालपुर फुटहा गांव २५ किलोमीटर दूर है। केवल वोट के समय जनप्रतिनिधियों को हमारी याद आती है। एक स्वर में ग्रामीणों ने लालपुर को नगर निगम से पंचायत में शामिल करने हेतु उचित रिपोर्ट बनाने का आग्रह राजस्व कर्मचारी से किया गया। मौके पर बिनोद सिन्हा, प्रवीण सिन्हा दिलीप सिन्हा, लक्ष्मी नारायण गोप, शुभम सिन्हा, वरुण सिंह, दिलीप मल्लिक, अर्विनव लाला, लाला प्रमोद सिंहा, जिलपी देवी, सुदन कर्मकार, बीरू कर्मकार, निरंजन बाउरी, गणेश दास, कुंदन सहाय, चंदन सिन्हा, अमर सिन्हा, गजान मल्लिक, लखीराम महतो, मदन महतो, बलराम महतो आदि दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

पार्षद को किया गया सम्मानित

सिंदरी (ससे) : धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या ५३ से नवनिर्वाचित पार्षद गणेश चंद्र महतो एवं वार्ड संख्या ५५ से नवनिर्वाचित पार्षद साहब राम हेंब्रम को आज भाजपा जिला महामंत्री मनोज मिश्रा ने अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर उनकी जीत पर बधाई दी। मौके पर मनोज मिश्रा ने कहा कि यह जीत दोनों पार्षदों की लोकप्रियता और जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में दोनों वार्डों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

झारखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों को मिला नया नेतृत्व, तीन विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति

रांची (एजेंसी): झारखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों में नए कुलपतियों की नियुक्ति की गई है। लोकभवन से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (रांची), जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय तथा झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के लिए नए कुलपतियों का चयन किया गया है। यह नियुक्तियाँ संबंधित विश्वविद्यालय अधिनियमों के अंतर्गत कुलाधिपति को प्राप्त संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए की गई हैं।

जारी सूचना के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत शिक्षाविद प्रो. राजीव मनोहर को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे पदभार ग्रहण करने की तिथि से अपना कार्यभार संभालेंगे। उनका कार्यकाल अधिकतम तीन वर्ष तक या कुलाधिपति के निर्देशानुसार निर्धारित रहेगा।

इसी क्रम में इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्राध्यापक डॉ. एला कुमार को जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे भी पदभार ग्रहण करने के बाद अधिकतम तीन वर्षों की अवधि तक या कुलाधिपति के विवेकानुसार इस पद की जिम्मेदारी निभाएँगी।

वहीं नालंदा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और डीन के रूप में कार्यरत प्रो. अभय कुमार सिंह को झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय, रांची का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे भी पदभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम तीन वर्षों तक या कुलाधिपति के निर्णयानुसार इस पद पर कार्य करेंगे।

लोकभवन की अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इन नियुक्तियों को संबंधित शिक्षाविदों के मूल संस्थानों से सतर्कता (विजिलेंस) संबंधी स्वीकृति मिलने के बाद ही अंतिम रूप से प्रभावी माना जाएगा। स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही संबंधित शिक्षाविद अपने-अपने विश्वविद्यालयों में औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे।

अधिसूचना की प्रतिलिपि राज्य सरकार के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, प्रधान महालेखाकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) तथा झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों को प्रेषित कर दी गई है। साथ ही संबंधित विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार को भी आगे की आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा जगत से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि अनुभवी और शोधमुखी दृष्टिकोण रखने वाले शिक्षाविदों को विश्वविद्यालयों का नेतृत्व सौंपे जाने से राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को नई गति मिल सकती है। इससे विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान गतिविधियों और नवाचार को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उम्मीद की जा रही है कि नए कुलपतियों के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों में पारदर्शी प्रशासन, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में सकारात्मक पहलें देखने को मिलेंगी। साथ ही शोध, नवाचार और ज्ञान-विस्तार के क्षेत्र में भी नई पहलें सामने आ सकती हैं, जिससे राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को दीर्घकालिक मजबूती मिलेगी।

झारखंड में जेटेट परीक्षा टालने और नियमावली में देरी पर विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरा

रांची (एजेंसी): झारखंड में जेटेट परीक्षा का मुद्दा थमने का नाम नही ले रहा है, वहीं अब इस विषय को जनप्रतिनिधि सदन में भी उठा रहे हैं। विपक्ष लगातार सरकार पर आरोप लगा रहा है कि राज्य सरकार झारखंड के नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राज्य में रोजगार और झारखंड के नौनिहालों के भविष्य को लेकर झारखंड सरकार का कार्य चिंताजनक और शर्मनाक है। राज्य में जेटेट की परीक्षा के लिए सरकार ने अब तक नियमावली भी नहीं बनाई है, जबकि सरकार ने उच्च न्यायालय में कहा है कि ३१ मार्च २०२६ तक परीक्षा आयोजित कर ली जाएगी। इन बचे २१ दिनों में कैसे नियमावली बन पाएगी और कब परीक्षा आयोजित की जाएगी, इस बारे में भी सरकार ने कोई स्पष्टता नहीं दी है।

मंगलवार को झारखंड विधानसभा में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू के पूछे गए अल्प सूचित सवाल के जवाब में सरकार ने कहा है कि डब्लू०पी० (एस०) सं० ५३५५/२०२५ हरिकेश महतो एवं अन्य बनाम राज्य सरकार एवं अन्य में उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक ३१ मार्च २०२६ तक परीक्षा लेने का न्यायादेश पारित किया गया है। लेकिन इसके अगले उत्तर में सरकार ने कहा है कि नियमावली का अभी तक ड्राफ्ट भी अनुमोदित नहीं किया गया है। गौरतलब है कि २०२४ में नई नियमावली बनाने के नाम पर ही आवेदन लेने के बावजूद परीक्षा टाल दी गई थी।

वहीं अब विपक्ष का कहना है कि २ सालों में जो सरकार नियमावली भी नहीं बन पा रही है, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है। एक तो सरकार उच्च न्यायालय के अवमानना कर रही है दूसरी ओर झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रही है।

खाड़ी संकट के बीच दुबई में फंसे झारखंड के नवदंपति सुरक्षित रांची लौटे; महंगा टिकट लेकर स्वदेश वापसी

रांची (एजेंसी): खाड़ी क्षेत्र में बढ़े युद्ध तनाव के बीच दुबई में फंसे झारखंड के एक नवविवाहित दंपति आखिरकार सकुशल रांची लौट आए। रांची निवासी ड-खड अधिकारी अतुल उरांव और उनकी पत्नी डॉ. कंचन बाड़ा हनीमून के लिए दुबई गए थे, लेकिन अचानक बढ़े क्षेत्रीय तनाव और लगातार फ्लाइट रद्द होने के कारण करीब एक सप्ताह तक वहीं फंसे रहे। आज सुबह रांची के भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचने पर परिजनों और शुभचिंतकों ने फूलमालाओं से उनका भावभीना स्वागत किया।

जानकारी के अनुसार २२ फरवरी २०२६ को रांची में आदिवासी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अतुल उरांव और डॉ. कंचन बाड़ा का विवाह संपन्न हुआ था। विवाह के महज पांच दिन बाद, २७ फरवरी को दोनों अपनी पहली संयुक्त यात्रा पर दुबई रवाना हुए थे। उनकी वापसी ४ मार्च को तय थी, लेकिन मध्यपूर्व में अचानक बढ़े तनाव ने उनकी यात्रा योजना को बदल दिया।

बार-बार फ्लाइट रद्द होने से बढ़ी परेशानी

अतुल उरांव ने बताया कि दुबई से भारत लौटने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन हर बार अंतिम समय में फ्लाइट कैंसिल हो जाती थी। लगातार रद्द हो रही उड़ानों के कारण स्थिति बेहद अनिश्चित और चिंताजनक हो गई थी।

अंततः ८ मार्च को उन्होंने करीब १.१२ लाख रुपये का महंगा टिकट लेकर मुंबई के लिए उड़ान भरी। दुबई से मुंबई पहुंचने के बाद दंपति हैदराबाद के रास्ते आज सुबह रांची पहुंचे। अतुल उरांव ने कहा कि भारत की जमीन पर कदम रखते ही बेहद राहत महसूस हुई।

परिजनों और मित्रों में खुशी की लहर

नवदंपति की सुरक्षित वापसी की खबर मिलते ही उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। एक सप्ताह तक चिंता में डूबे परिजनों के लिए यह खबर राहत भरी रही। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही परिजनों ने दोनों का फूलमालाओं से स्वागत किया और सुरक्षित वापसी पर खुशी जताई।

दंपति के रिश्तेदार और सामाजिक कार्यकर्ता अनिल अमिताभ पन्ना ने उनकी सुरक्षित वापसी पर राहत व्यक्त करते हुए संकट के समय बढ़े हवाई किराए पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में यात्रियों से अत्यधिक कीमत वसूलना गंभीर मुद्दा है और ऐसी स्थिति में सरकार तथा संबंधित एजेंसियों को हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि संकट में फंसे नागरिकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ न उठाना पड़े।

100 करोड़ टैक्स वसूली का लक्ष्य, निगम ने तेज किया अभियान

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम ने वित्तीय वर्ष २०२५-२६ की समाप्ति से पहले १०० करोड़ रुपये कर संग्रहण का लक्ष्य हासिल करने के लिए अभियान तेज कर दिया है। मंगलवार को उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में निगम के अधिकारियों और टैक्स कलेक्शन एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उप प्रशासक कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब केवल २१ दिन शेष हैं। इसलिए सभी अधिकारी और कर्मी पूरी तत्परता से काम करते हुए लक्ष्य हासिल करने में जुट जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि वार्ड स्तर पर विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक होल्डिंग टैक्स की वसूली सुनिश्चित की जाए।

आईआईएम रांची ने देश का पहला अंतर-विषयक अनुसंधान पद्धति समूह किया स्थापित

रांची (एजेंसी): आईआईएम रांची ने प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देश का पहला अंतर-विषयक अनुसंधान पद्धति समूह स्थापित किया है। यह पहल शोधकर्ताओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराएगी, जहां वे पारंपरिक विषयगत सीमाओं से आगे बढ़कर अनुसंधान पद्धतियों पर काम कर सकेंगे। आरएमजी के अध्यक्ष प्रो. कुशाग्र शरण ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य शोध संस्कृति को मजबूत करना, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर पद्धतिगत विकास में योगदान देना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मंच भविष्य में शोध और नवाचार को नई दिशा देगा।

उन्होंने बताया कि सामाजिक विज्ञान से जुड़े विषय जैसे आर्थिक विकास, सार्वजनिक नीति और पर्यावरणीय स्थिरता मजबूत अनुसंधान पद्धति पर आधारित होते हैं। लेकिन वर्तमान शैक्षणिक व्यवस्था में पद्धतिगत प्रशिक्षण अक्सर अलग-अलग विषयों तक सीमित रह जाता है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए आरएमजी की स्थापना की गई है। जिससे कि विभिन्न विषयों के शोधकर्ता एक-दूसरे के अनुभव और पद्धतियों से सीख सकें। साथ ही जटिल समस्याओं का बेहतर समाधान खोज सकें।

आरएमजी को एक ऐसे साझा मंच के रूप में विकसित किया गया है, जहां प्रशिक्षण, नवाचार, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान की व्यवस्था होगी। हाल ही में इस समूह की ओर से व्याख्यात्मक शोध पद्धति पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। जिसमें शोधार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। इसके माध्यम से सिद्धांत और व्यवहार के बीच की दूरी को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। आरएमजी क्षमता निर्माण और नेटवर्क विकास के लिए एक रणनीतिक रोडमैप पर भी काम कर रहा है। इसके तहत शोध के दार्शनिक आधार, अनुसंधान डिजाइन और विश्लेषणात्मक तकनीकों को एक साथ जोड़कर व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें मात्रात्मक, गुणात्मक और मिश्रित पद्धतियों के साथ-साथ सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर, टेक्स्ट माइनिंग, नेटवर्क विश्लेषण और कम्प्यूटेशनल तकनीकों पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेषांश

असम में बोले हेमंत---

एक ही तरीका है, चुनाव के समय सजग होना। अपने अधिकार और सम्मान के लिए वोट का सार्थक प्रयोग करना। वोट से ही सत्ता मिलती है और सत्ता से किसी समुदाय और समाज की तस्वीर और तकदीर बदलती है। उन्होंने यहां भी दुहराया कि उनकी जेब में निर्वाचन आयोग के अलावा कई अन्य तरह की संस्थाएं हैं। वे ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के माध्यम से डराते-धमकाते हैं। ईरान पर जारी हमले की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अभी तो गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ी है। आनेवाले दिनों में चावल, दाल, कपड़ा, सबकी कीमतें बढ़ेंगी और इसका असर उन पर नहीं होगा। उन्होंने अंत में असम के आदिवासियों को आश्वस्त किया कि उन्हें एसटी का दर्जा दिलाने का वह रास्ता निकालेंगे। सोनार का सौ चोट और लोहार के एक चोट की याद दिला देंगे।

ममता बनर्जी ने---

प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से बाहर कर दिये गये व्यक्तियों के दावे और आपत्तियों को निपटाने के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों की निष्पक्षता को कमजोर करने के लिए किए जा रहे हैं। वहीं इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है।स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो। कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

मुस्लिम महिलाओं के----

ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण से कहा कि सुधार की जल्दबाजी में ऐसा कदम उठाना उचित नहीं होगा जिससे महिलाओं को वर्तमान से भी कम अधिकार मिल जाएं। उन्होंने पूछा कि यदि १९३७ का शरियत कानून समाप्त हो जाता है तो उसके स्थान पर क्या व्यवस्था लागू होगी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने भी कहा कि याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन इस विषय पर निर्णय लेना संसद के लिए अधिक उपयुक्त होगा, क्योंकि संविधान के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता लागू करने का दायित्व विधायिका को दिया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि पहले भी कई बार न्यायालय संसद से समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने की सिफारिश कर चुका है। पीठ के अनुसार, सामाजिक और व्यक्तिगत कानूनों में व्यापक सुधार के लिए विधायी प्रक्रिया ही सबसे उपयुक्त रास्ता है।

तेल संकट के---

इससे न सिर्फ परिवहन लागत में कमी आएगी, बल्कि बांग्लादेश के उत्तरी हिस्सों में डीजल की उपलब्धता भी आसान हो जाएगी। ये पाइपलाइन परियोजना भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति का एक अहम हिस्सा है। ये दिखाता है कि भारत अपने पड़ोसी देशों की बुनियादी जरूरतों और विकास कार्यों में सक्रिय रूप से मदद कर रहा है। भारत ने ये मदद ऐसे समय में की है जब मिडिल-ईस्ट वॉर के चलते दुनिया भर में तेल संकट का खतरा गहरा गया है।

सीबीएसई 12वीं के---

परीक्षा पेपर के सभी वर्शन पर दिखाई दिया या वायरल इमेज एक लिमिटेड केस को दिखाता है, जिससे यह एपिसोड एग्जाम के दिन की जिज्ञासा और इंटरनेट की लोककथाओं के बीच कहीं अटका हुआ है। हालाँकि इस दावे को अलग से वेरिफाई करना अभी भी मुश्किल है। दिल्ली और एनसीआर के कई परीक्षा केंद्रों में इस्तेमाल किए गए मैथ्स के पेपर की कॉपियों को रिव्यू किया, जहां स्टूडेंट्स ने कहा कि क्यूआर कोड ने उन्हें किसी एक्सटर्नल लिंक या वीडियो के बजाय ए और क्यू जैसे सिंपल अल्फाबेट मार्कर पर भेज दिया। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, सीबीएसई ने भी अब तक वायरल दावे पर कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया है, जिससे यह पक्का नहीं है कि कहा जा रहा रिकरोल किसी दूसरे पेपर पर हुआ था या सर्कुलेट हो रहे स्क्रीनशॉट गुमराह करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही क्वेश्चन पेपर की तस्वीरें ऑनलाइन फैलीं, यूज़र्स ने तुरंत अपनी हैरानी शेयर करना शुरू कर दी। इस घटना पर चर्चा करते हुए एक थ्रेड में, एक यूज़र ने लिखा, होली ****सीबीएसई ने १२वीं को रिक्रॉल कर दिया!!?, जिसमें स्टूडेंट्स के बीच हैरानी और मज़ाक का मिक्सचर दिखाया गया। दूसरों ने इस प्रैंक के स्केल पर मज़ाक किया। एक कमेंट करने वाले ने मज़ाक में कहा कि जितने लोगों को रिक्रॉल हुआ, उससे यह सबसे अच्छा रिक्रॉल है जो मैंने देखा है, जबकि दूसरे ने मज़ाक में कहा कि २०२६ की शुरुआत पहले ही बहुत अच्छी हो चुकी है। सभी को यह मज़ेदार नहीं लगा।

पीएम मोदी की पुरी और---

ऐसी स्थिति में ज्यादा दिनों तक यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहा, तब फिर संकट बढ़ सकता। देश में अब बड़े पैमाने पर खाना बनाने के लिए लोगों की निर्भरता एलपीजी पर बढ़ गई है। दो दशक पुरानी स्थिति नहीं है। इसके बाद गैस की किल्लत देश में बड़े गुस्से का कारण भी बन सकती है। इसकारण मोदी सरकार ने इस परेशानी को प्राथमिकता से लिया है और एस्मा लागू करके एलपीजी की सप्लाई का वर्गीकरण कर दिया है।

बात दें कि भारत अपनी गैस की जरूरत का करीब ८५ फीसदी हिस्सा सऊदी अरब से खरीद रहा है। इसका आयात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते ही होता है। अभी यह बंद है। इसकारण संकट गहराया है और सरकार फिलहाल सप्लाई के दूसरे रास्ते तलाश रही है। भारत में हर साल करीब ३१.३ मिलियन टन एलपीजी की खपत होती है। बता दें कि देश में कुल एलपीजी की खपत में ८७ फीसदी हिस्सा घरेलू उपभोक्ताओं का ही है। इसके बाद १३ फीसदी हिस्सा उद्योग, होटल और रेस्तरां आदि में इस्तेमाल होता है।

जामताड़ा सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा सख्त, हाई अलर्ट पर पुलिस

जामताड़ा (एजेंसी): जिला न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया जब एक ईमेल के जरिए कोर्ट को ड्रोन बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी कथित तौर पर तमिलनाडु के एक संगठन के नाम से भेजी गई है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में तुरंत सतर्कता बढ़ा दी गई। धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन 'अलर्ट मोड' में आ गया और सुरक्षा के मद्देनजर सिविल कोर्ट की पूरी घेराबंदी कर दी गई। कोर्ट परिसर में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (उगच्) नीतीश कुमार सांगा ने स्वयं कोर्ट और अधिवक्ता परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान हेड क्वार्टर डीएसपी संजय कुमार सिंह और जामताड़ा थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो दलबल के साथ मौके पर पहुंचे।

जांच को प्रभावी बनाने के लिए डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। टीम ने कोर्ट परिसर के सभी कमरों, गलियारों और संदिग्ध कोनों की सघन तलाशी ली। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ईमेल के स्रोत और उसकी सत्यता की तकनीकी जांच कर रहे हैं। फिलहाल कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है और साइबर सेल की मदद से ईमेल भेजने वाले की पहचान की जा रही है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन सुरक्षा में कोई ढील नहीं बरती जा रही है।

15वें वित्त आयोग से झारखंड को मिले 5 अरब 16 करोड़, हेल्थ सेंटरों में बदलेगी व्यवस्था

बिना भवन वाले सब हेल्थ सेंटर, पीएचसी, सीएचसी के लिए 11322 लाख

रांची (एजेंसी): झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

१५वें वित्त आयोग के तहत राज्य को हेल्थ सिस्टम में बड़े स्तर पर सुधार के लिए ५ अरब १६ करोड़ ७० लाख रुपये की राशि मिली है। इस राशि का उपयोग राज्य में हेल्थ सेंटर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, नए भवन निर्माण और डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद है। बता दें कि अलग अलग हेल्थ सेंटरों के लिए राशि तय की जा चुकी है। वहीं खर्च करने की स्वीकृति भी मिल गई है।

अब हेल्थ सेंटर का होगा अपना भवन

इस राशि का बड़ा हिस्सा बिना भवन वाले सब हेल्थ सेंटर, प्राइमरी हेल्थ सेंटर (पीएचसी) और कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी) के निर्माण और विकास पर खर्च किया जाएगा। इसके लिए कुल ११३२२ लाख रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे उन स्वास्थ्य केंद्रों को अपना स्थाई भवन मिल सकेगा जो अब तक अस्थायी भवनों में संचालित हो रहे हैं।इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए रूरल सब सेंटर और प्राइमरी हेल्थ सेंटर को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्लूसी) में परिवर्तित करने की योजना है।

इसके लिए ११७४.४४ लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बनने के बाद इन केंद्रों में प्राथमिक उपचार के साथ कई अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट से राहत

ब्लॉक स्तर पर हेल्थ सिस्टम को मजबूत करने के लिए ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के विकास के लिए १८६.९० लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इससे ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य योजनाओं की निगरानी और प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सकेगा। इसके अलावा सब हेल्थ सेंटरों में डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विकास के लिए सबसे अधिक १९०५१.१२ लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को जांच के लिए दूर शहर में नहीं आना पड़ेगा। इसी तरह प्राइमरी हेल्थ सेंटर में डायग्नोस्टिक हेल्थ सेंटर विकसित करने के लिए ११६५८.२६ लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

शहर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं।

अर्बन प्राइमरी हेल्थकेयर सुविधाओं में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए ४९७.२८ लाख रुपये दिए गए हैं। वहीं अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना और सुदृढ़ीकरण के लिए ७७८० लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार की संभावना जताई गई है।

बादाम खाने से ज्यादा असरदार है एक्सरसाइज, दिमाग को बनाती है तेज

हम अक्सर सुनते आए हैं कि बादाम खाने से दिमाग तेज होता है। बच्चों को परीक्षा से पहले, बड़ों को याददाश्त मजबूत रखने के लिए बादाम खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन हाल की रिसर्च ने एक नया पहलू सामने रखा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, दिमाग की सेहत और उसकी कार्यक्षमता बढ़ाने में बादाम से कहीं ज्यादा असरदार है नियमित एक्सरसाइज।

रिसर्च क्या कहती है?

विशेषज्ञों का कहना है कि जब हम एक्सरसाइज करते हैं तो शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इसका सीधा असर दिमाग तक पहुँचने वाली ऑक्सीजन और पोषक तत्वों पर पड़ता है। पर्याप्त ऑक्सीजन मिलने से दिमाग की कोशिकाएँ सक्रिय रहती हैं और उनकी क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। वहीं, केवल बादाम खाने से कुछ पोषक तत्व तो मिल जाते हैं, लेकिन अगर शरीर निष्क्रिय है तो उसका पूरा लाभ दिमाग तक नहीं पहुँच पाता।

बच्चों और बड़ों दोनों के लिए ज़रूरी

यह अध्ययन केवल बड़ों के लिए ही नहीं, बल्कि बच्चों के लिए भी अहम है। स्कूल जाने वाले बच्चे अगर रोजाना खेल-कूद, दौड़, योग या हल्की-फुल्की कसरत करें, तो उनकी कॉग्निटिव एबिलिटी यानी समझने और याद रखने की शक्ति तेजी से विकसित होती है। इसी तरह, बढ़ती उम्र के लोगों में भी एक्सरसाइज दिमाग को सक्रिय रखती है और भूलने की समस्या को धीमा करती है।

एक्सरसाइज के फायदे

बेहतर याददाश्त: नियमित कसरत करने वालों में स्मरण शक्ति अधिक पाई गई है।

तनाव में कमी : एक्सरसाइज से एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे मानसिक तनाव घटता है।

सोचने-समझने की क्षमता में सुधार: लगातार शारीरिक गतिविधि दिमाग को नए विचार और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है।

लॉन्ग-टर्म हेल्थ: उम्र बढ़ने पर भी दिमाग चुस्त और कार्यशील रहता है।

बादाम की भी अपनी अहमियत

इसका मतलब यह नहीं कि बादाम बेकार है। बादाम में विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो दिमागी कोशिकाओं को पोषण और सुरक्षा प्रदान करते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ़ बादाम खाने से दिमाग तेज नहीं होगा, जब तक कि इसे नियमित व्यायाम और संतुलित आहार के साथ न जोड़ा जाए।

निष्कर्ष

स्पष्ट है कि दिमाग की सेहत के लिए बादाम और अन्य पोषक तत्व ज़रूरी हैं, लेकिन सबसे ज्यादा असर डालती है नियमित एक्सरसाइज। अगर आप रोजाना 30 मिनट की हल्की सैर, योग, स्ट्रेचिंग या खेल-कूद को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपका दिमाग पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय, तेज और स्वस्थ रहेगा।

गोरिल्ला और सियार: भीम की ताकत और रंगा की चालाकी

बहुत समय पहले की बात है, भारत के एक बहुत ही विशाल और हरे-भरे जंगल में, जिसका नाम 'चंदनवन' था, बहुत सारे जानवर मिल-जुलकर रहते थे। इसी जंगल में 'भीम' नाम का एक विशालकाय गोरिल्ला (न्श्ह्द्वद्यद्यड्ड) - विकिपीडिया रहता था। भीम शरीर से तो किसी पहाड़ जैसा मजबूत और ताकतवर था, लेकिन उसका दिल एक छोटे बच्चे की तरह बहुत ही साफ और भोला था। वह हमेशा दूसरे जानवरों की मदद करने के लिए तैयार रहता था।

उसी चंदनवन में एक 'रंगा' नाम का सियार (छ्ड्डष्द्मड्डद्य) भी रहता था। रंगा बहुत ही दुबला-पतला था, लेकिन उसका दिमाग बहुत ही चालाक और खुराफाती था। वह हमेशा कोई न कोई ऐसी तरकीब सोचता रहता था जिससे बिना मेहनत किए उसे अच्छा खाना मिल जाए। जंगल के सभी जानवर रंगा की चालाकी से वाकिफ थे, इसलिए कोई भी उससे ज्यादा बात नहीं करता था। गोरिल्ला और सियार का स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल उल्टा था।

रंगा सियार का लालच और एक योजना

एक दिन दोपहर के समय, रंगा सियार जंगल में घूम रहा था। तभी उसकी नजर एक बहुत ही ऊंचे पहाड़ की चोटी पर लटक रहे एक विशाल मधुमक्खी के छत्ते पर पड़ी। उस छत्ते से सुनहरे रंग का मीठा-मीठा शहद टपक रहा था। शहद देखकर रंगा के मुंह में पानी आ गया।

उसने मन ही मन सोचा, 'वाह! कितना स्वादिष्ट शहद है। अगर यह मुझे मिल जाए तो कई दिनों तक मजे से खाऊंगा।' लेकिन वह पहाड़ बहुत ऊंचा था और रंगा को मधुमक्खियों के डंक से बहुत डर लगता था। उसने सोचा कि यह काम तो कोई ऐसा जानवर ही कर सकता है जो बहुत ताकतवर हो और जिसे मधुमक्खियों के डंक का असर न हो। तभी उसे दूर से पेड़ की शाखाएं तोड़कर फल खाता हुआ 'भीम' गोरिल्ला दिखाई दिया।

झूठी तारीफ का जाल

रंगा सियार धीरे-धीरे भीम गोरिल्ला के पास पहुंचा और बहुत ही मीठी आवाज में बोला, 'प्रणाम भीम भैया! अरे वाह! आपकी यह विशाल भुजाएं और यह ताकत! सच में, पूरे जंगल में आप जैसा कोई बलवान नहीं है। शेर और हाथी भी आपके सामने कुछ नहीं हैं।' भोला भीम अपनी तारीफ सुनकर बहुत खुश हुआ। उसने अपनी छाती ठोकते हुए कहा, 'धन्यवाद रंगा भाई! कहो, आज यहाँ कैसे आना हुआ?'

रंगा ने दुखी होने का नाटक करते हुए कहा, 'भैया, क्या बताऊं। आज सुबह जंगल के कुछ जानवर कह रहे थे कि भीम के पास सिर्फ शरीर है, हिम्मत नही। वो कह रहे थे कि आप डरपोक हैं।'

यह सुनते ही भीम को बहुत गुस्सा आ गया। 'क्या? किसने कहा ऐसा? मैं किसी से नहीं डरता!'

रंगा ने तुरंत कहा, 'वही तो मैंने उन्हें समझाया! लेकिन वो बोले कि अगर भीम सच में इतना बहादुर है, तो वह 'खूनी पहाड़' की चोटी से वह जादुई छत्ता तोड़कर लाए, जिसे आज तक कोई नही छू पाया। मैंने सोचा कि मैं आपको बता दूं।'

भीम की नादानी और मधुमक्खियों का हमला

भीम ने बिना कुछ सोचे-समझे अपनी ताकत साबित करने की ठान ली। वह तुरंत उस ऊंचे पहाड़ की तरफ दौड़ पड़ा। रंगा सियार एक सुरक्षित झाड़ी के पीछे छिपकर मुस्कुराते हुए तमाशा देखने लगा।

भीम बड़ी ही आसानी से उस ऊंचे पहाड़ पर चढ़ गया। जैसे ही उसने उस विशाल छत्ते पर हाथ डाला, हजारों गुस्सैल मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया। भीम बहुत ताकतवर था, लेकिन छोटी-छोटी मधुमक्खियों के डंक से उसे भी बहुत दर्द होने लगा। फिर भी, अपनी बात साबित करने के लिए उसने छत्ता तोड़ा और पहाड़ से नीचे कूद गया।

नीचे आते ही भीम दर्द से कराहते हुए नदी की तरफ भागा ताकि मधुमक्खियों से बच सके। उसने वह शहद का छत्ता वहीं जमीन पर रख दिया था। मौका देखकर चालाक रंगा सियार झाड़ियों से बाहर निकला, छत्ता उठाया और दूर एक गुफा में जाकर मजे से सारा शहद खा गया।

सच्चाई का ज्ञान और भीम की सीख

जब भीम नदी से नहाकर वापस आया, तो उसने देखा कि न वहां शहद का छत्ता है और न ही रंगा सियार। आस-पास के जानवरों ने भीम को बताया कि उन्होंने रंगा को शहद लेकर भागते हुए देखा था।

भीम को अपनी बेवकूफी पर बहुत पछतावा हुआ। उसे समझ आ गया कि रंगा ने उसकी झूठी तारीफ करके अपना स्वार्थ पूरा किया। भीम ने कसम खाई कि वह इस धोखेबाज़ सियार को ऐसा सबक सिखाएगा कि वह जिंदगी भर याद रखेगा। शारीरिक ताकत तो भीम के पास थी ही, अब उसने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करने की भी ठान ली।

भीम का पलटवार

कुछ दिनों बाद, भीम ने रंगा को एक पेड़ के नीचे सोते हुए देखा। भीम ने अपनी एक नई योजना बनाई। वह धीरे से रंगा के पास गया और जोर से बोला, 'अरे वाह! मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा कि इतना बड़ा खजाना मुझे मिल गया!'

रंगा की नींद टूट गई। 'खजाना' शब्द सुनकर उसके कान खड़े हो गए। उसने पूछा, 'क्या हुआ भीम भैया? कौन सा खजाना?'

भीम ने रहस्यमयी तरीके से कहा, 'अरे रंगा! तुम्हें पता है, उस पुरानी सूखी गुफा के अंदर बहुत सारा ताजा और स्वादिष्ट मांस रखा है। किसी शिकारी ने शायद वहां छुपाया है। लेकिन मैं तो शाकाहारी हूँ, मेरे किस काम का? मैं जा रहा हूँ।' रंगा सियार का लालच फिर जाग उठा। वह बिना कुछ सोचे उस पुरानी गुफा की ओर भाग खड़ा हुआ।

चालाकी का अंत

जैसे ही रंगा ने उस अंधेरी गुफा में छलांग लगाई, वह एक गहरे गड्ढे में गिर पड़ा। वह कोई खजाने की गुफा नहीं थी, बल्कि शिकारियों द्वारा जंगली सूअरों को पकड़ने के लिए खोदा गया एक गहरा जाल (गड्ढा) था।

रंगा बाहर निकलने के लिए बहुत उछला, लेकिन गड्ढा बहुत गहरा था। वह रोने लगा और मदद के लिए चिल्लाने लगा, 'बचाओ! बचाओ! मुझे यहाँ से निकालो!' तभी ऊपर से भीम गोरिल्ला की आवाज आई। भीम ने गड्ढे में झांकते हुए कहा, 'क्यों रंगा? खजाना मिल गया? दूसरों को मूर्ख बनाकर अपना काम निकालने का यही नतीजा होता है। तुम्हारी झूठी तारीफों ने मुझे मधुमक्खियों से डसवाया था, अब तुम्हारा लालच तुम्हें इस गड्ढे में ले आया।'झ

रंगा सियार हाथ जोड़कर रोने लगा, 'मुझे माफ कर दो भीम भैया। मैं कसम खाता हूँ कि अब कभी किसी को धोखा नहीं दूंगा। कभी किसी की झूठी तारीफ करके अपना मतलब नहीं निकालूंगा। बस मुझे एक बार बाहर निकाल लो।'

भीम दयालु था। उसने एक लंबी और मजबूत पेड़ की डाल तोड़ी और गड्ढे में लटका दी। रंगा उस डाल को पकड़कर बाहर निकल आया। बाहर आते ही उसने भीम के पैर पकड़े और माफी मांगी। उस दिन के बाद से रंगा सियार ने अपनी चालाकी छोड़ दी और जंगल में मेहनत करके अपना पेट भरने लगा।

सीख -

झूठी तारीफ से बचें : जो लोग हमारी बहुत ज्यादा और झूठी तारीफ करते हैं, अक्सर उनका कोई न कोई स्वार्थ छिपा होता है।

बुद्धि और बल का सही उपयोग : सिर्फ शरीर से ताकतवर होना काफी नहीं है, दिमाग का सही इस्तेमाल करना भी बहुत जरूरी है।

लालच बुरी बला है : रंगा सियार के लालच ने ही उसे मुश्किल में डाला। लालच का अंत हमेशा बुरा होता है।

क्षमा करना महानता है : भीम ने बदला लेने के बजाय रंगा को सबक सिखाया और अंत में उसकी मदद करके अपनी महानता दिखाई।

बदलती जीवन शैली के कारण बढ़ रही है हाई ब्लड प्रेशर की समस्या

बदलती जीवन शैली के कारण आजकल हाई ब्लड प्रेशर समस्या आम है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ बन जाती है।

हाई ब्लड प्रेशर के शुरुआती लक्षण सामान्यत: स्पष्ट नहीं होते, लेकिन समय के साथ यह स्थिति बढ़ती है और दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। खासकर जब बीपी बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। हाई ब्लड प्रेशर तब होता है जब दिल को शरीर में ब्लड पंप करने के लिए सामान्य से ज्यादा दबाव लगाना पड़ता है। इस दबाव के कारण रक्त वाहिकाओं की दीवारें कमजोर और क्षतिग्रस्त होने लगती हैं, जिससे गंभीर मामलों में वे फट भी सकती हैं। सामान्य ब्लड प्रेशर की रेंज 120/80 एमएम एचजी होती है, जबकि अगर सिस्टोलिक प्रेशर 130 से 139 के बीच और डायस्टोलिक प्रेशर 80 से 90 के बीच होता है तो इसे हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि ब्लड प्रेशर 140/90 एमएम एचजी से ऊपर चला जाए तो हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस स्थिति में जल्द ही डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी हो जाता है ताकि आगे की गंभीरताओं से बचा जा सके।

हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इसके कई मामलों में कोई स्पष्ट लक्षण नजर नहीं आते। फिर भी कुछ लोगों को तेज सिरदर्द, चक्कर आना, आंखों का लाल होना, नाक से खून आना, सीने में दर्द और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जो लोग बीपी से परेशान हैं या जो इस बीमारी के जोखिम में हैं, उन्हें नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर जांचते रहना चाहिए। यदि ब्लड प्रेशर अनियंत्रित रहता है तो यह न केवल हार्ट अटैक बल्कि स्ट्रोक और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का भी कारण बन सकता है।

पाउडर लगाते समय रखें ध्यान

आजकल की जिंदगी में लुक्स का अहम स्थान है फिर वो चाहे ऑफिस हो या फिर कॉलेज या फिर आप एक हाउस वाइफ ही क्यों न हों। सुंदर और मुस्कुराता चेहरा हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लेता है और ऐसे में इसकी चमक और निखार को बढ़ाने के लिए मेकअप की सहायता लेना कोई बुरी बात भी नहीं है। इसके लिए मेकअप की और इसे एप्लाई करने की सही जानकारी होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में ये जरूरी है कि मेकअप अप्लाई करने से पहले आपको उसके बारे में कुछ बेसिक बातें पता हों।

पाउडर का सही इस्तेमाल

पाउडर लगाने से मेकअप निखर कर आता है लेकिन पाउडर लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ये पूरे चेहरे पर बराबर लगा हो। वरना ये स्मूद लुक देने के बजाय भद्दा नजर आएगा.

कंसीलर का इस्तेमाल

कंसीलर का इस्तेमाल ध्यान से करना चाहिए। उंगलियों से टैप करके इसे आंखों के नीचे और नाक के आस-पास लगाना चाहिए। उसके बाद कंसीलर ब्रश की मदद से इसे फाइनल टच देना चाहिए।

आंखों का मेकअप

आंखों की सुंदरता को और बढ़ाने के लिए आई मेकअप को ट्रेंड के अनुसार करना ही बेहतर होता है। वैसे तो आंखों पर करीने से लगा काजल और आईलाइनर ही काफी हद तक सुंदर बना देता है लेकिन खास मौके पर इनके मेकअप पर ध्यान देना जरूरी होता है।

यहां धधकते ज्वालामुखी पर विराजित हैं भगवान गणेश

गणपति हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक है और कोई भी काम करने से पहले सबसे पहले उनका आव्हान किया जाता है। भगवान गणेश प्रथम पूज्य हैं और उनके बिना किसी भी काम को शुरू नहीं किया जाता। आज हम आपको भगवान गणेश की 700 साल पुरानी एक ऐसी प्रतिमा के बारे में बताते हैं जो ज्वालामुखी पर विराजमान है।

कहां है प्रतिमा

भगवान गणेश की ज्वालामुखी पर विराजित 700 साल पुरानी यह प्रतिमा इंडोनेशिया के माउंट ब्रोमो में मौजूद है। यहां पर गुनुंग ब्रोमो नाम का एक ज्वालामुखी है, जो सक्रिय है और इसमें से लगातार धुआं निकलता रहता है और आग भी नजर आती है। कमाल की बात यह है कि श्री गणेश की यह प्रतिमा ठीक ज्वालामुखी के मुहाने पर स्थित है और कभी भी यह आग नहीं उगल पाता है। यही कारण है कि लोग ऐसा मानते हैं कि स्वयं श्री गणेश इस ज्वालामुखी से निकलने वाली आग से लोगों की रक्षा कर रहे हैं।

भगवान करते हैं रक्षा

ज्वालामुखी के आसपास कई लोग निवास करते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में टेनेगर कहा जाता है। ज्वालामुखी के मुहाने पर स्थित यह गणेश प्रतिमा इन लोगों के लिए बहुत पूजनीय है और सभी यहां पर दर्शन पूजन करने के लिए आते हैं। लोगों का मानना है कि स्वयं श्री गणेश उनकी रक्षा के लिए यहां विराजमान है।

पवित्र माना जाता है पर्वत

श्री गणेश की प्रतिमा जिस पर्वत पर मौजूद है वह माउंट ब्रोमो के नाम से पहचाना जाता है, जिसका नाम भगवान ब्रह्मा से प्रेरित होकर रखा गया है। यह पहाड़ टेनेगर सेमेरू नेशनल पार्क में स्थित है। इंडोनेशिया में ऐसे कई सारे मंदिर है जिन्हें देखकर आप आराम से समझ सकते हैं कि यहां पर हिंदू देवी देवताओं को कितना महत्व दिया जाता है।

इंडोनेशिया में पूजनीय हैं हिंदू भगवान

आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इंडोनेशिया एक ऐसी जगह है जहां पर लगभग 141 ज्वालामुखी है और इनमें से 130 बिल्कुल सक्रिय है, लेकिन इसके बावजूद भी लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंच पाता। क्योंकि उनके बीच यह आस्था है कि श्री गणेश उनकी रक्षा करते हैं। यहां पर गणपति बप्पा को समर्पित कई सारे मंदिर भी मौजूद है। स्थानीय लोगों के मुताबिक उनके पूर्वजों में इन प्रतिमाओं को स्थापित किया था और तभी से इन्हें पूजा जा रहा है।

कैसे पहुंचे माउंट ब्रोमो

अगर आप 700 साल पुरानी इस अनोखी प्रतिमा के दर्शन करना चाहते हैं तो उसके लिए आपको फ्लाइट लेकर सुराबाया इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंचना होगा। यहां से आपको बस मिलेगी जो आपको पुराबाया टर्मिनल तक छोड़ेगी। यहां से आप माउंट ब्रोमो की यात्रा शुरू कर सकते हैं। यहां तक जाने के लिए आपको स्थानीय गाइड का सहारा लेना होगा। वापस आने के लिए टैक्सी की जा सकती है।

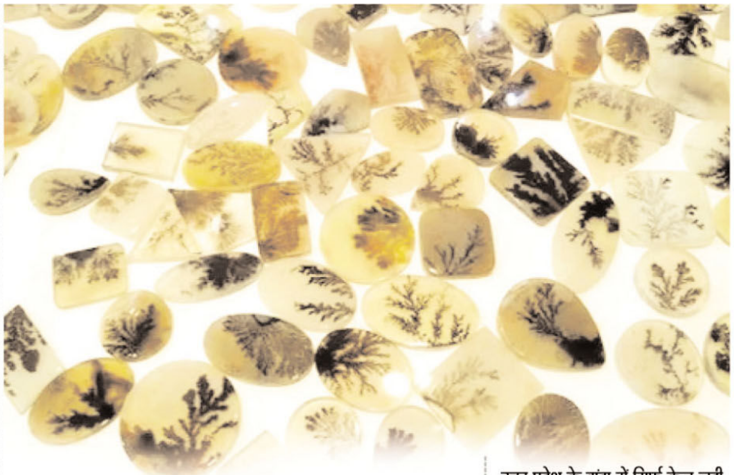

दुनिया भर में सिर्फ नर्मदा और केन नदियों में ही पाये जाते हैं दुर्लभ शजर पत्थर

उत्तर प्रदेश के बांदा में सिर्फ केन नदी में ऐसे पत्थर देखने को मिलते हैं, जिसमें कुदरत ने खुद कलाकारी की है। ये खास किस्म के पत्थरों को शजर पत्थर कहा जाता है। शजर का पर्शियन में मतलब पेड़ होता है। इन पत्थरों पर उकरी कलाकारी देखकर लगता है कि जैसे किसी चित्रकार या कलाकार ने किया है। पत्थर पर उकेरी हुई पत्तियां, पेड़ और उनकी अनूठी आकृति देखते ही बनती है। इन पत्थरों की पहचान 400 साल पहले हुई थी। अरब से आए लोगों ने इन पत्थरों की खूबियां समझी और मुगलों के समय इनकी कीमत और ज्यादा बढ़ गई। इन पत्थरों को ज्वैलरी, डेकोरेटिव सामान पर खूब इस्तेमाल किए जाते हैं। वैज्ञानिकों की मानें तो पत्थर पर ये कुदरती आकृति फंगल के विकास के कारण होती है।

बुंदेलखंड के बांदा जिले की केन नदी प्रदेश की इकलौती और देश की दूसरी नदी है जो पत्थरों में रंगीन चित्रकारी करती है। इस नदी में मिलने वाले दुर्लभ पत्थर बेहद खूबसूरत होते हैं जो अपने भीतर दिखने वाली खूबसूरती के लिए मशहूर हैं। इन पत्थरों को शजर कहा जाता है। फारसी में शजर पेड़ को कहा जाता है। खास बात यह है कि कोई भी दो शजर पत्थर एक जैसे नहीं होते, मतलब हर एक पत्थर में अलग-अलग चित्रकारी। दुनिया भर में शजर पत्थर सिर्फ भारत की दो नदियों केन और नर्मदा में ही पाये जाते हैं। अरब देशों में इस पत्थर को हकीक और भारत में स्फटिक कहते हैं। इन दिनों खरीदे व बेचे जा रहे हैं।

मशीन से तराशने के बाद शजर पत्थर में झाडियां, पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मानव और नदी की जलधारा के चमकदार रंगीन चित्र उभरते हैं। बांदा के स्थानीय लोगों के मुताबिक, जब शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में किरणें शजर पत्थरों पर पड़ती हैं तो इन पर आकृतियां उभरती हैं। उनका कहना है कि चांदनी की किरणों जब पत्थर पर पड़ती हैं तो उनके बीच में जो भी आकृति आती है, वह इन पत्थरों पर उभर आती है। वहीं, वैज्ञानिकों का मानना है कि शजर पत्थर पर उभरने वाली आकृति फंगस ग्रोथ है।

400 साल पहले हुई थी खोज

हमेशा से ही केन नदी में मौजूद था, लेकिन 400 साल पहले अरब से आये लोगों ने इसकी पहचान की। वह इसकी खूबसूरती देखकर दंग रह गये थे। इन पत्थरों पर कुदरती रूप से पेड़, पत्ती की आकृति उकेरी थी, जिसके कारण उन्होंने इसका नाम शजर रख दिया।

पौराणिक मान्यता

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, केन नदी का पुराना नाम कर्णावती नदी था। बाद में इसे किनिया और फिर कन्या कहा जाने लगा। अब इसे केन नदी कहा जाता है। केन एक कुमारी कन्या है का उल्लेख महाभारत काल में मिलता है।

शौकीन लोग अंगूठी में जड़वाते हैं

शजर पत्थरों का इस्तेमाल आभूषणों, कलाकृति जैसे ताजमहल, सजावटी सामान व अन्य वस्तुएं जैसे वाल हैंगिंग में लगाने के काम में प्रयोग होता है। मुगलकाल में शजर पत्थरों के इस्तेमाल से बेजोड़ कलाकृतियां बनाई गई। बांदा और लखनऊ में शजर पत्थर से बने आभूषणों का बड़ा कारोबार होता है। शौकीन लोग इसे अंगूठी में नग के तौर पर भी जड़वाते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हस्तशिल्पी द्वारका प्रसाद सोनी बताते हैं कि शजर पत्थर की पहले कटाई और घिसाई होती हैं, जिसके बाद इसे मनचाहे आकर में ढाला जाता है। सोने चांदी में जड़ने के बाद शजर की कीमत और बढ़ जाती है।

शजर पत्थर को ब्रिटेन ले गई थीं महारानी विक्टोरिया

ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल में ब्रिटेन की महारानी क्वीन विक्टोरिया के लिए दिल्ली दरबार में नुमाइश लगाई गई थी। इसमें रानी विक्टोरिया को शजर पत्थर इतना पंसद आया था वह इसे अपने साथ ब्रिटेन भी ले गई थीं।दुनिया भर में खासकर मुस्लिम देशों में शजर पत्थर की खासी डिमांड है। मुसलमानों के बीच में इस पत्थर का विशेष महत्व है। वह इसे कुदरत का नायाब तोहफा मानते हैं और इस पर कुरान की आयतें लिखवाते हैं। इतना ही नहीं मक्का जाने वाले हजयात्री इस पत्थर को लेकर जाते हैं। व्यापारियों के मुताबिक, ईरान में इसकी मुंहमांगी कीमत मिलती है। कुछ लोगों का मानना है कि इस पत्थर को पहनने से बीमारियां दूर भागती हैं।

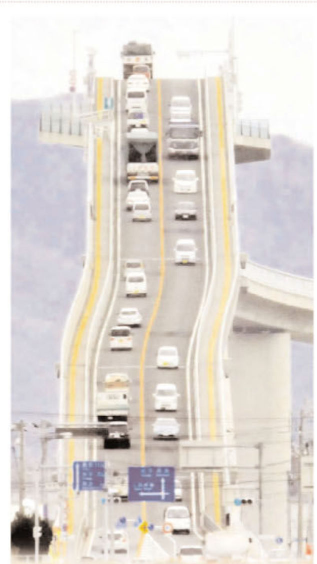

जापान का एशिमा ओहाशी ब्रिज

आसान नहीं इस पर गाड़ी चलाना

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ब्रिज जापान का एशिमा ओहाशी ब्रिज दिखने में जितना खतरनाक है, उससे कहीं ज्यादा डरावना इस पर गाड़ी चलाना है। इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ब्रिज माना जाता है। यह ब्रिज नाकाउमी लेक के ऊपर बना है और इस ब्रिज को सीधा बनाने के पीछे कारण है कि जहाज को ब्रिज के नीचे से जाने में दिक्कत न हो। यह ब्रिज साकाइमिनाटो और मात्सू शहरों को जोड़ता है। इस ब्रिज पर गाड़ी चलाना किसी रोलरकोस्टर राइड से कम नहीं है। यह ब्रिज साल 2004 में बनकर तैयार हुआ था। पहले ऊपर उठना और फिर ढलाने लेते हुए एकदम से नीचे आना आपके रोंगटे खड़े कर देता है।

क्यों बनाना पड़ा ब्रिज का ऐसा डिजाइन

- ये ब्रिज नाकाउमी लेक पर बना है, जो मात्सू और साकाइमिनाटो शहरों को आपस में जोड़ता है।
- ब्रिज को सीधा खड़ा इसलिए बनाया गया है, ताकि लेक में शिप को ब्रिज के नीचे से जाने में दिक्कत न आए।
- दो लेन में क्रांकीट रोड वाला ये ब्रिज 1.7 किमी लंबा है और इसकी चौड़ाई 11.4 मीटर है।
- इसका कंस्ट्रक्शन 1997 में शुरु हुआ और 2004 में पूरा हुआ।
- इस पुल के 6.1 फीसदी झुकाव शिमाने प्रांत की तरह और 5.1 फीसदी झुकाव टोटरी प्रांत की तरफ है।
- अपने अजीबोगरीब डिजाइन के चलते ये पुल रोलरकोस्टर के जैसा नजर आता है।
- ब्रिज की खासियत देखते हुए देहात्सु मोटर कंपनी ने अपनी टांटो मिनीवैन के एड में इसका जिक्र किया है।
- एड में इस पुल के जरिए गाड़ी की स्थिरता की जांच की बात कही गई है।

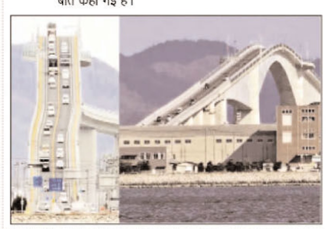

रहस्यमय है ये समुद्र, यहां चाहकर भी डूबना है नामुमकिन

दुनिया में एक से बढ़कर एक और अजीबोगरीब चीज मौजूद है जो अपनी खासियतों से लोगों को हैरान कर देती है। कुछ जगह तो लोगों को आश्चर्य में डालने का काम करती है और जब इनके बारे में पता चलता है तो सभी के होश उड़ जाते हैं। समुद्र एक ऐसी चीज है जिसकी खूबसूरती हमेशा से ही लोगों का दिल जीतती आई है। समुद्र में मस्ती का आनंद तभी लिया जा सकता है जब आपको अच्छी तरह से तैरना आता हो। लेकिन अगर तैरना नहीं आता है तो कोई भी समुद्र के किनारे पर रहकर ही आनंद ले सकता है। आज हम आपको जिस समुद्र के बारे में बता रहे हैं वहां तैराकी ना जानने वाले लोग भी तैर सकते हैं क्योंकि यह एक ऐसी जगह है जहां आप चाह कर भी नहीं डूब पाएंगे। हम जिस जगह की बात कर रहे हैं उसे डेड सी के नाम से जाना जाता है चलिए आज आपको इसके बारे में बताते हैं।

कहां है डेड सी

यह खूबसूरत सा डेड सी यानी की मृत समुद्र जॉर्डन और इजरायल के बीच में मौजूद है। यह दुनिया की सबसे गहरी खारे पानी की झील के रूप में पहचाना जाता है। इस समुद्र में इतना नमक है कि दबाव के कारण यहां कोई नहीं डूबता।

चाहकर भी नहीं डूब सकता व्यक्ति

यह डेड सी 3 लाख साल पुराना है। यह पृथ्वी के सबसे निचले बिंदु पर स्थित है और इसकी डेंसिटी बहुत ही ज्यादा है। जब इसके पानी में बहाव आता है तो वह नीचे से ऊपर की ओर रहता है। यही कारण है कि अगर कोई व्यक्ति इसके ऊपर पूरी तरह से सीधा लेट भी जाए तो वह इसमें डूब नहीं सकता।

ऐसे मिला डेड सी नाम

इस समुद्र को डेड सी नाम मिलने के पीछे की वजह यह है कि इसमें अधिक मात्रा में नमक है जो इतना ज्यादा खारा है कि ना तो कोई जीव जंतु और ना ही पेड़ पौधे इसमें जीवित रह पाते हैं। इस पानी के नमक में बड़ी मात्रा में जिंक, मैग्निशियम, कैल्शियम, पोटाश और ब्रोमाइड जैसे तत्व पाए जाते हैं। यही कारण है कि इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इस समुद्र में मछलियां कोई अन्य समुद्री जीव और समुद्र में पाए जाने वाले एक्वेटिक प्लांट्स भी नहीं पाए जाते हैं।

त्वचा की बीमारी होती है दूर

यह डेड सी दुनिया भर में मशहूर है और अक्सर ही अपनी अनोखी खूबियों की वजह से लोगों के बीच चर्चा का विषय रहता है। अन्य समुद्री की तुलना में इस समुद्र में जो पानी है वह 33% ज्यादा खारा है। यहां के पानी की एक विशेषता भी है और कहा जाता है कि इसमें जो नहाता है उसकी त्वचा संबंधी सारी बीमारियां दूर हो जाती है। पानी की इसी विशेषता के चलते कई लोग यहां पर स्विमिंग का आनंद लेने के लिए पहुंचते हैं। यहां के पानी और मिट्टी के इस्तेमाल से कई ब्यूटी प्रोडक्ट भी बनाए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न गिरफ्तार किया

बहरीन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल

मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। स्थानीय मीडिया और बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई आंतरिक मंत्रालय और देश की जनरल डायरेक्टरेट ऑफ एंटी-कॉरप्शन एंड इकोनॉमिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी की जांच के बाद की गई। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ईरान के समर्थन में 'भ्रामक' वीडियो और पोस्ट साझा कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर कुछ स्थानों पर हमलों की वीडियो फुटेज रिकॉर्ड की और ऑनलाइन फैलाया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था और आम जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ। छह एशियाई नागरिकों की पहचान इस गतिविधि में की गई। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके मामलों को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को भेजा गया है। ईरान से संबंधित संघर्ष के पड़ोसी देशों तक फैलने के बाद, बहरीन की एजेंसियों ने ऑनलाइन उत्तेजक या भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने देशवासियों और विदेशी निवासियों को चेतावनी दी है कि वे बिना अनुमति के वीडियो, तस्वीरें या जानकारी साझा न करें, खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा या वर्तमान संघर्ष से संबंधित हों।

अमेरिका ने पाकिस्तान में जारी किया सुरक्षा अलर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान में स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने सभी कर्मियों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में धार्मिक जुलूसों के दौरान हिंसा भड़क सकती है। इसके चलते मंगलवार दोपहर से सभी अमेरिकी कर्मियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी दूतावास लाहौर, कराची और पेशावर समेत सभी महावाणिज्य दूतावासों पर नजर रखे हुए है। धार्मिक जुलूसों के दौरान यातायात जाम और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। अमेरिकी लोगों को पाकिस्तान में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी एजेंसी का दावा- स्लीपर सेल को सक्रिय करने का खुफिया संदेश पकड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच अब अमेरिका के खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा सामने आया है। दावा यह किया जा रहा है कि दोनों तरफ से बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने एक कोडेड संदेश पकड़ा है। इस संदेश को ईरान से भेजा गया बताया जा रहा है। अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि यह संदेश विदेशों में पहले से मौजूद स्लीपर सेल यानी छिपे हुए एजेंट को सक्रिय करने के लिए हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह संदेश 28 फरवरी को आया। यह वही दिन था जब अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातल अली खामेनेई की मौत हो गई थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इस समय ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया था। बता दें कि स्लीपर सेल वे गुप्त लोग होते हैं जो किसी देश के अंदर या बाहर पहले से रहते हैं। ये आम तौर पर शांत रहते हैं और किसी भी काम में नहीं आते। लेकिन अगर उन्हें कोई संकेत या आदेश मिलता है तो ये अचानक सक्रिय होकर कोई मिशन पूरा कर सकते हैं।

एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा, पेंटागन पर मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने पेंटागन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। दरअसल बीते दिनों पेंटागन ने एंथ्रोपिक को आपूर्ति श्रृंखला खतरा कैटेगरी में वर्गीकृत कर दिया था। कंपनी ने इसका विरोध किया है और सरकार के इस फैसले के खिलाफ अदालत का रुख किया है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने सोमवार को अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और अन्य संघीय एजेंसियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। एंथ्रोपिक ने ट्रंप प्रशासन के उस फैसले के खिलाफ ये मुकदमा दायर किया है, जिसमें एंथ्रोपिक को 'आपूर्ति श्रृंखला जोखिम' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह मामला अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और दुनिया की प्रमुख एआई कंपनियों के बीच चल रही खींचतान का उदाहरण है। किसी कंपनी को आपूर्ति श्रृंखला जोखिम कैटेगरी में तब डाला जाता है, जब उस पर विदेशी विरोधियों से जुड़े

होने का शक होता है। इससे एंथ्रोपिक कंपनी के पेंटागन के साथ व्यापार प्रभावित हो सकता है। एंथ्रोपिक का आरोप है कि उसे आपूर्ति श्रृंखला कैटेगरी में वर्गीकृत करना और ट्रंप सरकार द्वारा कंपनी को तकनीक का उपयोग बंद करने का निर्देश देना कानूनी रूप से गलत है। कंपनी ने सरकार के इन कदमों से कड़ी नाराजगी जाहिर की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन, एंथ्रोपिक कंपनी के एआई मॉडल क्लाउड का इस्तेमाल कई सरकारी और सैन्य कामों में करना चाहता था, लेकिन कंपनी ने साफ कर दिया कि उसकी एआई तकनीक का इस्तेमाल नागरिकों की निगरानी के काम में नहीं होना चाहिए। कंपनी यह भी नहीं चाहती कि उसकी एआई तकनीक का इस्तेमाल हथियारों में हो, जिसकी मदद से ऐसे हथियार विकसित किए जाएं, जिन्हें कंट्रोल करने के लिए इंसानों की भी जरूरत न रहे। पेंटागन इन शर्तों से नाराज हो गया और उसने इन शर्तों को मानने से मना कर दिया। इसके बाद फरवरी 2026 में एंथ्रोपिक को अमेरिकी सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला खतरा घोषित कर दिया। जिसका मतलब है कि अमेरिकी सरकार अब इस कंपनी को संभावित सुरक्षा खतरे के रूप में देखती है। आपूर्ति श्रृंखला खतरा श्रेणी में वर्गीकृत होने का मतलब है कि सरकारी एजेंसियां और सरकारी कॉन्ट्रैक्टर्स ऐसी कंपनियों की तकनीक इस्तेमाल करने से बचते हैं। इससे एंथ्रोपिक की तकनीक का सरकारी प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल बंद हो सकता है और कंपनी के कारोबार जाहिर की है। उनका कहना है कि एआई जैसी ताकतवर तकनीक को लेकर जिम्मेदार नियम बनाने जरूरी हैं और अगर कंपनियों द्वारा नैतिकता और सुरक्षा की बात करने पर उन्हें इस तरह से सजा मिलेगी तो इससे टेक इंडस्ट्री में गलत संदेश जाएगा।

क्या अब थम जाएगा ईरान युद्ध, ट्रंप-पुतिन की बातचीत में किन मुद्दों पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका और रूस के बीच बड़ी कूटनीतिक हलचल सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत हुई है। इस बातचीत में ईरान युद्ध को जल्द राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से खत्म करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं की यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब क्षेत्र में संघर्ष लगातार तेज होता जा रहा है और वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ रही है। रूस के राष्ट्रपति के कूटनीतिक

सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि बातचीत खुली और रचनात्मक रही। इसमें ईरान के साथ चल रहे युद्ध और यूक्रेन से जुड़े हालात पर विस्तार से चर्चा की गई। पुतिन ने युद्ध को जल्द खत्म करने के लिए कई राजनीतिक और कूटनीतिक रास्तों पर अपने विचार रखे। उन्होंने यह भी बताया कि रूस खाड़ी देशों के नेताओं, ईरान के राष्ट्रपति और अन्य देशों से लगातार संपर्क में है। रूस की ओर से कहा गया कि पुतिन ने युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने खाड़ी देशों के नेताओं और ईरान के राष्ट्रपति से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। पुतिन का मानना है कि राजनीतिक बातचीत के जरिए इस संघर्ष को जल्दी समाप्त किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपर्क बनाए हुए है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध ज्यादा लंबा नहीं चलेगा। उन्होंने इसे 'अल्पकालिक सैन्य अभियान' बताया। दौरान कहा कि अमेरिकी सेना अपनी शुरुआती योजना से भी आगे निकल चुकी है।

वैश्विक तेल आपूर्ति को बंद नहीं होने देंगे

ईरान युद्ध पर ट्रंप बोले- हम निर्णायक जीत के करीब

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल इस युद्ध में निर्णायक बढ़त बना चुके हैं और उनका सैन्य अभियान अपने लक्ष्यों के करीब पहुंच चुका है। साथ ही उन्होंने दोहराया कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं देगा। हालांकि दूसरी ओर ईरान में नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के समर्थन में सत्ता तंत्र की एकजुटता यह संकेत दे रही है कि तेहरान फिलहाल पीछे हटने के मूड में नहीं है। ट्रंप ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ बेहद शक्तिशाली सैन्य अभियान चलाया है। उनके अनुसार इस कार्रवाई से ईरान की कई सैन्य क्षमताओं को बड़ा नुकसान हुआ है। ट्रंप ने यह भी कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल क्षमता को कमजोर करना है। हालांकि युद्ध के बीच ईरान के भीतर राजनीतिक और धार्मिक समूहों ने नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के समर्थन में प्रदर्शन कर यह संदेश दिया है कि देश दबाव में झुकने वाला नहीं है। फ्लोरिडा के डोरल शहर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल ने दुनिया के सबसे जटिल और शक्तिशाली सैन्य अभियानों में से एक को अंजाम दिया है। उन्होंने दावा किया कि इस कार्रवाई के दौरान ईरान की नौसेना को भारी नुकसान हुआ है और उसके कई सैन्य ठिकाने नष्ट कर दिए गए हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने सैन्य लक्ष्यों को तेजी से हासिल कर रहा है और युद्ध अपने निर्णायक चरण की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के हालिया हमलों के कारण उसके कई पड़ोसी देश अब अमेरिका के साथ खड़े हो गए हैं। उन्होंने

कहा कि शुरुआत में ये देश तटस्थ रहना चाहते थे, लेकिन ईरान द्वारा हमले किए जाने के बाद हालात बदल गए। ट्रंप के अनुसार सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों ने अमेरिका का समर्थन किया है और ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। उनके मुताबिक ईरान की रणनीति उलटी पड़ गई और क्षेत्रीय देशों का झुकाव अमेरिका की ओर बढ़ गया।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के करीब पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि ईरान और उसके समर्थित समूह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर खतरा पैदा कर रहे थे। ट्रंप के अनुसार सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य इस मार्ग को सुरक्षित बनाना है ताकि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि जब यह खतरा खत्म हो जाएगा तो तेल की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल सकती है।

मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व पर ट्रंप क्यों नाराज?

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान में मोजतबा खामेनेई के नए सुप्रीम लीडर बनने पर भी निराशा जताई। ट्रंप ने कहा कि इस फैसले से ईरान की नीतियों में कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं दिखती। उनके अनुसार मोजतबा खामेनेई अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की नीतियों को ही आगे बढ़ा सकते हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह फिलहाल नए ईरानी नेतृत्व को लेकर अपनी रणनीति सार्वजनिक नहीं करना चाहते।

ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता पर कितना असर पड़ा?

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी और इस्राइली हमलों में ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने कहा कि ईरान के कई ड्रोन निर्माण केंद्रों को निशाना बनाया गया है। ट्रंप के अनुसार ईरान की मिसाइल क्षमता अब लगभग दस प्रतिशत तक सिमट गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अब तक हजारों सैन्य ठिकानों को निशाना बना चुका है।

क्या ट्रंप की जिद से भड़का संघर्ष

ईरान पर हमला कहीं रणनीतिक भूल तो नहीं, यूएस खुफिया रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक रिपोर्ट में युद्ध से पहले ही कहा गया था कि सैन्य हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं होगा। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के साथ मिलकर सैन्य कार्रवाई शुरू की। रिपोर्ट में और भी कई खुलासे हुए। आइए, विस्तार से जानते हैं। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर शुरू किए गए युद्ध को लेकर अब नए सवाल उठने लगे हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि युद्ध शुरू होने से पहले ही बताया गया थी कि सैन्य हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं होगा। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले का फैसला लिया। अब इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद यह बहस तेज हो गई है कि क्या यह युद्ध एक रणनीतिक भूल साबित हो सकता है। अमेरिकी खुफिया समुदाय के राष्ट्रीय खुफिया परिषद ने फरवरी में एक विस्तृत आकलन तैयार किया था। इसमें कहा गया था कि सीमित हवाई हमले या लंबे सैन्य अभियान से भी ईरान में नई सरकार बनने की संभावना बेहद कम है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि मौजूदा नेतृत्व को नुकसान पहुंचता है तब भी ईरान की सत्ता संरचना तुरंत नहीं टूटेगी और देश की राजनीतिक व्यवस्था खुद को बनाए रखने की कोशिश करेगी। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार ईरान में ऐसा कोई मजबूत और एकजुट विपक्षी गठबंधन मौजूद नहीं है जो मौजूदा नेतृत्व के खत्म होने के बाद सत्ता संभाल सके। यही कारण है कि रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि शीर्ष नेतृत्व को भी खत्म कर दिया जाए, तब भी देश में सत्ता परिवर्तन की स्थिति नहीं बनेगी। रिपोर्ट का निष्कर्ष यह था कि ईरान की राजनीतिक व्यवस्था सत्ता की निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेगी। खुफिया आकलन में यह भी कहा गया था कि यदि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो जाती है तो भी ईरान की धार्मिक और राजनीतिक व्यवस्था तुरंत नया नेतृत्व सामने लाकर सत्ता को स्थिर रखने की कोशिश करेगी। युद्ध की शुरुआत में खामेनेई की मौत के बाद जो घटनाक्रम सामने आया, वह इसी आकलन से मेल खाता दिखा।

ईरान के प्रमुख धार्मिक नेताओं ने खामेनेई की मौत के बाद मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता चुना। माना जा रहा है कि मोजतबा खामेनेई अपने पिता से भी अधिक कठोर रुख रखने वाले नेता हैं। उनकी नियुक्ति को ईरान के सत्ता ढांचे की मजबूती और बाहरी दबाव के खिलाफ प्रतिरोध के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन ने ईरान पर हमलों के कई कारण बताए हैं। एक तरफ इसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए जरूरी कदम बताया गया, तो दूसरी ओर संभावित बैलिस्टिक मिसाइल हमलों को रोकने की कार्रवाई कहा गया। हालांकि अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि युद्ध का उद्देश्य सत्ता परिवर्तन नहीं है, लेकिन ट्रंप कई बार यह भी कह चुके हैं कि वे ईरान में नया नेतृत्व देखना चाहते हैं। यह भी सामने आया है कि ट्रंप लंबे समय से अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के आकलनों को लेकर संदेह जताते रहे हैं। वे कई बार इन रिपोर्टों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते रहे हैं।

नेपाल में सियासी तस्वीर बदली, आरएसपी को दो-तिहाई बहुमत; अगले हफ्ते बालेंद्र सरकार गठन की प्रक्रिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हाल ही में हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के नतीजों ने देश की राजनीति की दिशा बदल दी है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। अब अगले सप्ताह के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। आरएसपी ने काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है, जिससे नेपाल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रत्यक्ष चुनाव की 165 में से 164 सीटों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें आरएसपी ने 125 सीटें जीतकर स्पष्ट बढ़त हासिल की है। समानुपातिक प्रणाली के तहत मिलने वाली सीटों के बाद पार्टी की कुल संख्या 183 तक पहुंच जाएगी। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के बराबर है। इसके बाद अब संविधान के तहत नई सरकार के गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होगी। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई के अनुसार आरएसपी को मिले वोटों के आधार पर समानुपातिक प्रणाली से 58 सीटें मिलेंगी। इस तरह प्रतिनिधि सभा में उसके सांसदों की कुल संख्या 183 हो जाएगी। 275 सदस्यीय सदन में यह लगभग 66 प्रतिशत बहुमत है। इससे पार्टी को सरकार बनाने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लेने में भी मजबूती मिलेगी। चुनाव में अन्य प्रमुख दलों का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। नेपाली कांग्रेस को प्रत्यक्ष चुनाव से 18 सीटें मिली हैं और समानुपातिक प्रणाली से 19 सीटें मिलने की उम्मीद है। इस तरह उसके कुल सांसद 37 होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेकपा एमाले को प्रत्यक्ष चुनाव से 8 सीटें मिली हैं और समानुपातिक प्रणाली से 16 सीटें मिलने की संभावना है। इससे उसके कुल सांसद 24 हो जाएंगे। वहीं प्रचंड की पार्टी को कुल 17 सीटें मिलने का अनुमान है। निर्वाचन आयोग का लक्ष्य अगले सप्ताह तक अंतिम चुनावी रिपोर्ट राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को सौंपने का है।

बांग्लादेश में नहीं थम रहे हिंदुओं पर हमले, दो की हत्या

बेहद चिंताजनक बताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले एक सप्ताह में अलग-अलग जिलों में दो हिंदुओं की हत्या और एक मंदिर पर बम हमला होने से हालात को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। मानवाधिकार संगठनों ने इन घटनाओं को बेहद चिंताजनक बताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि हालिया राजनीतिक बदलाव के बाद अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं। हाल के दिनों में हुई घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। एक ओर हत्या की घटनाएं सामने आई हैं तो दूसरी ओर मंदिर में बम फेंककर धार्मिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। 6 मार्च की रात बांग्लादेश के बोगुरा जिले में 40 वर्षीय चायोन राजभर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। चायोन राजभर एक कोचिंग सेंटर चलाते थे और स्थानीय स्तर पर शिक्षा से जुड़े कामों के कारण जाने जाते थे। बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक हमला किया और मौके से फरार हो गए। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है। 7 मार्च को कॉक्स बाजार जिले में 29 वर्षीय गणेश पाल की हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक उनसे रंगदारी मांगी जा रही थी और उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद हमलावरों ने उन्हें मार डाला। इससे पहले भी चटगांव में रंगदारी का विरोध करने पर आकाश दास की हत्या कर दी गई थी। इसी क्षेत्र के चंदनैश उपजिला के बदुरपारा में 70 वर्षीय चंदन दे को मवेशी चोरी रोकने के कारण मार दिया गया था।

क्या मंदिर में बम हमले से धार्मिक तनाव बढ़ा?

8 मार्च की शाम कुमिला शहर के कालीगाछ ताला काली मंदिर में पूजा के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने देसी बम फेंक दिए। इस हमले में पुजारी केशब चक्रवर्ती समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। कुमिला के पुलिस अधीक्षक एमडी अनीसुज्जमां ने मौके का दौरा कर जांच के आदेश दिए हैं।

ट्रंप का दावा- ईरान की सैन्य क्षमता खत्म, जल्द होगा युद्ध का अंत, आईआरजीसी ने दिया ये जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के पहले दो दिनों में ही ईरान की सैन्य क्षमता लगभग पूरी तरह खत्म कर दी गई। फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने इस सैन्य अभियान को बड़ी सफलता बताते हुए संकेत दिया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका आगे भी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई का समयसीमा तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन ऑपरेशन जल्द खत्म होने की संभावना है। ट्रंप ने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। उनके अनुसार रडार, टेलीकम्युनिकेशन और सैन्य नेतृत्व की संरचना भी नष्ट कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों में ही ईरान की सैन्य ताकत को खत्म कर दिया गया और यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। ईरान में युद्ध समाप्त करने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी पर तेहरान ने जवाब देते हुए कहा है कि अमेरिकी और इस्राइली ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई कब समाप्त होगी, इसका निर्णय वही करेगा। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र की स्थिति और भविष्य का निर्धारण अब तेहरान की सेनाओं के हाथों में है। यह घटनाक्रम ट्रंप के उस बयान के जवाब में सामने आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान में संघर्ष जल्द ही खत्म हो जाएगा। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा, 'युद्ध का अंत हम ही तय करेंगे।' बयान में आगे कहा गया है, 'क्षेत्र के समीकरण और भविष्य की स्थिति अब हमारी सशस्त्र सेनाओं के हाथों में है; अमेरिकी सेनाएं युद्ध समाप्त नहीं करेंगी।' वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता बनाए जाने पर भी नाराजगी जताई।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की पांच खिलाड़ियों को दिया आश्रय

कैनबरा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान की महिला फुटबॉल टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने टीम की पांच खिलाड़ियों को मानवीय आधार पर शरण दे दी है। ये खिलाड़ी एशियाई टूर्नामेंट खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया आई थीं। युद्ध शुरू होने के बाद उनके ईरान लौटने को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया सरकार ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर मानवीय वीजा देने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि मंगलवार तड़के ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस ने खिलाड़ियों को गोल्ड कोस्ट स्थित होटल से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। वहां उनसे मुलाकात की गई और उनके मानवीय वीजा की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। सरकार का कहना है कि यह फैसला मानवीय परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है, क्योंकि ईरान इस समय युद्ध की स्थिति से

गुजर रहा है। ईरान की महिला फुटबॉल टीम पिछले महीने महिला एशियन कप खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। टूर्नामेंट खत्म होने के बाद टीम को ईरान लौटना था, लेकिन इसी दौरान अमेरिका और इस्राइल के साथ युद्ध तेज हो गया। लगातार हमलों और असुरक्षा के माहौल के कारण खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया सरकार ने मानवीय आधार पर पांच खिलाड़ियों को शरण देने का निर्णय लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि खिलाड़ियों को वापस ईरान भेजना मानवीय गलती होगी, क्योंकि वहां उनकी जान को खतरा हो सकता है। ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऑस्ट्रेलिया ऐसा नहीं करता तो अमेरिका उन्हें अपने यहां आश्रय देने को तैयार है। बताया जा रहा है कि टीम की कुछ खिलाड़ी वापस ईरान लौटना चाहती थीं, क्योंकि उन्हें अपने परिवार की सुरक्षा की चिंता है। ट्रंप ने भी कहा कि कई खिलाड़ियों को डर है कि यदि वे वापस नहीं लौटेंगी तो उनके परिवारों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। यही कारण है कि खिलाड़ियों के सामने कठिन स्थिति बनी हुई है। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों का रवैया क्यों चर्चा में रहा? टूर्नामेंट के दौरान भी ईरानी खिलाड़ियों की स्थिति चर्चा में रही। दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहले मैच से पहले राष्ट्रीय गान के दौरान टीम ने शुरुआत में चुप्पी साधी थी। कुछ लोगों ने इसे विरोध का संकेत माना, जबकि कुछ ने इसे शोक की अभिव्यक्ति बताया। हालांकि बाद के मैचों में खिलाड़ियों ने राष्ट्रगान गाया और सलामी भी दी। टीम की फॉरवर्ड सारा दीदार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने देश और परिवार को लेकर चिंता जाहिर की थी।

टी20 विश्व कप जीतकर घर लौटे ईशान किशन, हुआ जोरदार स्वागत

पटना (एजेंसी)। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ईशान किशन मंगलवार को यहां अपने गृहनगर पहुंचे जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। उन्होंने टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ईशान की वापसी काफी प्रेरणादायी रही जो कुछ महीने पहले तक राष्ट्रीय टीम की योजनाओं का हिस्सा भी नहीं थे। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने रविवार को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में अर्धशतक लगाने से पहले मुश्किल विकेट पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच जिताने वाली पारी खेली थी। ईशान को फाइनल की तैयारी के दौरान दुर्घटना में अपनी रिश्ते की बहन की मौत के दुख का भी सामना करना पड़ा था। पटना पहुंचने पर ईशान ने कहा कि टीम भविष्य में और खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भारत का रिकॉर्ड तीसरा टी20 विश्व कप खिताब है जो खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम भी बनी। घरेलू क्रिकेट में पड़ोसी राज्य झारखंड के लिए खेलने वाले ईशान ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। टीम इंडिया जीत गई है। यह ना सिर्फ हमारे लिए बल्कि पूरे देश के लिए शानदार पल है। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी खेलते रहेंगे और जीतेंगे। मेरा मानना ??है कि अगर मैं अच्छा प्रदर्शन करता हूं तो इससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। मैं हमेशा युवाओं को बढ़ावा देने की कोशिश करता हूं।

बीसीसीआई का ऐलान

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया को मिलेगा 131 करोड़ रुपये ईनाम

आईसीसी द्वारा पुरस्कार

आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने पर भारतीय टीम को कुल 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 27.48 करोड़ रुपये) का पुरस्कार मिला। इस टूर्नामेंट में ग्रुप और सुपर 8 चरणों में हर जीत पर टीम को लगभग 31,154 अमेरिकी डॉलर (लगभग 28.6 लाख रुपये) के प्रदर्शन बोनस भी दिए गए। इस प्रकार टीम इंडिया को बीसीसीआई और आईसीसी दोनों से भारी नकद पुरस्कार प्राप्त हुआ।

नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद टीम इंडिया को 131 करोड़ रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। भारत ने अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को हराकर 2026 आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीता। जहां आईसीसी ने इस जीत के लिए भारत को 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 27.48 करोड़ रुपये) का पुरस्कार दिया।

वहीं, बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने के लिए टीम इंडिया को 131 करोड़ रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती, अपने खिताब की रक्षा की और टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार किसी टीम द्वारा आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप लगातार दो बार जीतने का रिकॉर्ड बनाया। इस जीत के साथ भारत वह पहली टीम बन गया जिसने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप तीन बार जीता, और इस फॉर्मेट के इतिहास में सबसे सफल टीमों में अपनी जगह पक्की की।

बीसीसीआई खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सेलेक्टर्स को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए पुनः बधाई देता है और भविष्य में उनके निरंतर सफलता की कामना करता है।

टी20 वर्ल्ड कप से जल्दी बाहर होने के बाद श्रीलंका का बड़ा फैसला

पूर्व अफ्रीकी क्रिकेटर गैरी कर्स्टन को बनाया नया हेड कोच

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने सोमवार को पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर गैरी कर्स्टन को पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अनुसार कर्स्टन 15 अप्रैल 2026 से टीम के हेड कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार अनुभव - गैरी कर्स्टन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार करियर रहा है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए 1993 से 2004 तक क्रिकेट खेला। अपने करियर के दौरान उन्होंने टेस्ट और वनडे क्रिकेट में कुल 14,087 रन बनाए। इसमें 21 टेस्ट शतक और 13 वनडे शतक शामिल हैं।

भारत को दिलाया था 2011 वर्ल्ड कप - कोच के रूप में भी कर्स्टन का रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह 2008 से 2011 तक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रहे और उनके कार्यकाल में भारत ने 2011 का आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद वह 2011 से 2013 तक दक्षिण अफ्रीका टीम के भी मुख्य कोच रहे, जहां उनके नेतृत्व में टीम ने सभी फॉर्मेट में नंबर-1 रैंकिंग हासिल की।

- **टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी निभाई थी भूमिका** - हाल ही में समाप्त हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान गैरी कर्स्टन क्रिकेट नामीबिया के साथ बतौर कंसल्टेंट जुड़े हुए थे। अब वह श्रीलंका क्रिकेट के साथ दो साल के लिए काम करेंगे।
- **2027 वर्ल्डकप की तैयारी पर रहेगा फोकस** - श्रीलंका क्रिकेट ने बताया कि कर्स्टन की नियुक्ति टीम की संरचना और हाई परफॉर्मेंस सिस्टम को मजबूत करने की योजना का हिस्सा है। उनका मुख्य लक्ष्य 2027 आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए श्रीलंका टीम को तैयार करना होगा। यह टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में आयोजित किया जाएगा।
- **दो साल का होगा कार्यकाल** - गैरी कर्स्टन का यह अनुबंध 15 अप्रैल 2026 से 14 अप्रैल 2028 तक रहेगा। इस दौरान वह श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार करेंगे।

आईपीएल 2026- फैंस का इंतजार खत्म!

लीग का आगाज 28 मार्च से ,12 मार्च को किया जाएगा सार्वजनिक

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 19वें सीजन का इंतजार कर रहे क्रिकेट फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) जल्द ही टूर्नामेंट के शेड्यूल का ऐलान करने वाला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लीग का आगाज 28 मार्च से होगा, जबकि पहले चरण के मुकाबलों का कार्यक्रम 12 मार्च को जारी किया जाएगा। वहीं इस सीजन के उद्घाटन मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पिछले साल की रनर-अप पंजाब किंग्स के आमने-सामने आने की संभावना जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बार आईपीएल का कार्यक्रम दो चरणों में जारी किया जाएगा। न्यूज एजेंसी आईएएनएस की जानकारी के मुताबिक, पहले चरण में टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों का शेड्यूल 12 मार्च को जारी किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि 12 मार्च को आईपीएल 2026 के पहले 20 मुकाबलों का कार्यक्रम सार्वजनिक किया जाएगा। बाकी मैचों का शेड्यूल बाद में जारी किया जा सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप

तैयार रहो, अगला मैच तुम्हारा है, गौतम गंभीर की इस बात ने बदल दी सैमसन की किस्मत

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 321 रन बनाए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 80.25 की औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब जीता। सैमसन ने अपनी इस सफलता का श्रेय भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को दिया, जिनकी एक छोटी सी बातचीत ने उनके करियर का रुख बदल दिया।

जिम में हुई बातचीत ने बदली कहानी - सैमसन ने बताया कि टूर्नामेंट के दौरान होटल के जिम में उनकी मुलाकात गौतम गंभीर से हुई थी। उसी समय गंभीर ने उनसे कहा कि वह अगले मैच के लिए तैयार रहें। सैमसन ने कहा, जिम में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले मेरी गौटी भाई से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझसे कहा - 'संजू तैयार रहो, तुम अगला मैच खेलने वाले हो।' उस समय मैं पूरी तरह तैयार था और यही मौका मैं इंतजार कर रहा था।

वर्ल्ड कप से पहले खराब फॉर्म से जूझ रहे थे सैमसन - टी20 वर्ल्ड कप से पहले सैमसन का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज में उन्होंने पांच मैचों में सिर्फ 46 रन बनाए थे। इस खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टूर्नामेंट की शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली और वह कई मैचों तक बेंच पर बैठे रहे।

सुपर-8 के बाद मिला मौका -सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की बड़ी हार के बाद टीम मैनेजमेंट ने बदलाव करने का फैसला किया। इसके बाद सैमसन को मौका मिला और उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार पारी खेलकर खुद को साबित कर दिया।

नॉकआउट में लगातार तीन शानदार पारियां - मौका मिलने के बाद सैमसन ने टूर्नामेंट के अहम मुकाबलों में जबरदस्त बल्लेबाजी की।

आईजीपीएल 2026 के आकर्षण का केंद्र होंगे गगनजीत भुल्लर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन गगनजीत भुल्लर 11 से 13 मार्च तक यहां होने वाले इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के पहले चरण में आकर्षण का केंद्र होंगे जिसमें कई अन्य शीर्ष खिलाड़ी भी भाग लेंगे। भुल्लर ने 2025 में आईजीपीएल में खिताब जीता था और इस बार उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। एशियाई टूर में 11 जीत के साथ भारत के सबसे सफल खिलाड़ी रहे भुल्लर के अलावा इस प्रतियोगिता में पुखराज सिंह गिल भी भाग लेंगे, जिन्होंने 2025 में आईजीपीएल ऑर्डर ऑफ मेरिट जीता था। इनके अलावा एशियाई टूर के स्टार करणदीप कोचर और अमन राज भी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ सूर्याकुमार ने अडालज स्टेपवेल में करवाया फोटोशूट

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्याकुमार यादव ने गुजरात के ऐतिहासिक अडालज नी वाव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाई।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा साझा की गई तस्वीरों में भारतीय कप्तान इस खूबसूरत ऐतिहासिक स्थल पर ट्रॉफी के साथ नजर आए।

गुजरात के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल पर फोटोशूट - अडालज स्टेपवेल गुजरात के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों में से एक है। यह 15वीं सदी की शानदार वास्तुकला का उदाहरण माना जाता है और अपनी जटिल नक्काशी व डिजाइन के लिए मशहूर है। यह ऐतिहासिक बावड़ी अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच स्थित है और हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक और इतिहास प्रेमी यहां पहुंचते हैं।

न्यूजीलैंड को हराकर जीता टी20 वर्ल्ड कप - सूर्याकुमार यादव का यह दौरा भारत की शानदार जीत के एक दिन बाद हुआ। भारतीय टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में रिकॉर्ड तीसरा खिताब भी अपने नाम किया।

क्रिकेट से जुड़ा रहा है इस जगह का खास रिश्ता -अडालज स्टेपवेल का हाल के वर्षों में क्रिकेट से भी खास संबंध रहा है। 2023 क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल से पहले यहां रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी फोटोशूट कराया था।

सूर्याकुमार को देखने के लिए उमड़े फैंस - सूर्याकुमार यादव के इस दौरे के दौरान बड़ी संख्या में फैंस भी वहां पहुंच गए। लोगों ने भारतीय कप्तान और वर्ल्ड कप ट्रॉफी की एक झलक पाने के लिए बावड़ी के आसपास और आसपास की सड़कों पर भीड़ लगा दी। कई लोग स्मारक की छतों और ऊंची जगहों से इस खास पल को देखने की कोशिश करते नजर आए।

मौजूदा इंडियन वेल्स चैंपियन की शर्मनाक हरकत, हार के बाद तोड़ा रैकेट, दर्शकों पर भी चिल्लाई

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया) (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4-6, 6-7(5), 6-3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।

महिला एशियन कप

क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगा भारत, सामने चीनी ताइपे की कड़ी चुनौती

सिडनी (एजेंसी)। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा। ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा। नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी। भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी।

जापान छह पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं। भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी। मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीज़ों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए फाइनल जैसा है।

कराटे डो एसोसिएशन ऑफ बंगाल के खिलाड़ियों ने

5वीं केआईओ नेशनल कराटे चैंपियनशिप में जीते 2 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 26 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक आयोजित 5वीं केआईओ नेशनल कराटे डो चैंपियनशिप 2026 (अंडर-21, सीनियर और पैरा-कराटे वर्ग) में कराटे डो एसोसिएशन ऑफ बंगाल (केएबी) के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक अपने नाम किए। इन खिलाड़ियों को हंशी प्रेमजीत सेन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण मिला है।

हंशी प्रेमजीत सेन पिछले 2 दशक से अधिक समय से पश्चिम बंगाल में कराटे के विकास से जुड़े हुए हैं। नियमित प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं की तैयारी के माध्यम से उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को तैयार किया है, जिन्होंने समय-समय पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व किया है। प्रशिक्षण के अलावा वे कोच, रेफरी और प्रशासक के रूप में भी कराटे से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और राज्य में खेल के विकास में योगदान दे रहे हैं।

यह चैंपियनशिप कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष हंशी भारत शर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई। कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज़ हुसैन, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के पूर्व सदस्य और भारतीय ओलंपिक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र ध्रुव बत्रा, तथा दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप वत्स शामिल थे।

रूपकथा दत्ता - स्वर्ण पदक (अंडर-21 महिला काता)

सोहिनी चटर्जी - स्वर्ण पदक (अंडर-21 महिला कुमिते ?50 किग्रा)

शिवम पोद्दार - कांस्य पदक (सीनियर पुरुष कुमिते 50 किग्रा)

देबांजलि कर्मकार, ऐशिका घोष और स्नेहा मंडल - कांस्य पदक (सीनियर महिला टीम काता)

चैंपियनशिप से पहले कराटे डो एसोसिएशन ऑफ बंगाल ने खिलाड़ियों और कोचों को विभिन्न प्रकार का सहयोग भी प्रदान किया। इसमें प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 2 लाख रुपये का मेडिकल इंश्योरेंस, 25 खिलाड़ियों को 3,000 रुपये, तीन कोचों को 7,000 रुपये, सभी खिलाड़ियों की भागीदारी शुल्क का भुगतान, तथा खिलाड़ियों और कोचों के लिए ट्रैकसूट उपलब्ध कराना शामिल था।

चैंपियनशिप के बाद केएबी के अध्यक्ष हंशी प्रेमजीत सेन ने कहा, खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए ईमानदारी और अनुशासन के साथ तैयारी की थी। उनका प्रदर्शन लंबे समय तक किए गए अभ्यास का परिणाम है। यह उत्साहजनक है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि वे भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि एसोसिएशन द्वारा प्रत्येक स्वर्ण पदक विजेता को 10,000 रुपये और प्रत्येक कांस्य पदक विजेता को 5,000 रुपये से सम्मानित किया जाएगा।